भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति दूसरों की पीड़ा समझ लेता है, वही वास्तव में जीवन की सबसे कीमती दौलत को पहचान लेता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-28 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

जो व्यक्ति दूसरों की पीड़ा समझ लेता है, वही वास्तव में जीवन की सबसे कीमती दौलत को पहचान लेता है

14 करोड़ में बिकने वाले कार्तिक रेन बसेरे में सोए:पिता बोले-ग्वालियर में टूर्नामेंट के दौरान पैसे खत्म हो गए थे, भूखे रहकर रात गुजारी

भीम प्रज्ञा न्यूज

भरतपुर । भरतपुर के कार्तिक शर्मा को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के मिनी ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने 14.20 करोड़ में खरीदा है। आईपीएल में सिलेक्ट होने के बाद बुधवार को कार्तिक अपने पिता मनोज शर्मा और मां राधा शर्मा के साथ भरतपुर पहुंचे। यहां अग्रवाल भवन में कार्तिक और उनके मां-बाप को सम्मानित किया गया। भरतपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से हुए इस कार्यक्रम में शहर के लोग भी शामिल थे। कार्तिक का ये सफर इतना आसान नहीं रहा। करोड़ों में बिकने वाले कार्तिक अपने संघर्ष के दिनों में रेन बसेरे तक में पिता के साथ सोए। कार्तिक के पिता मनोज शर्मा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि- क्रिकेट के लिए हम दोनों बाप-बेटों को भूखा रहकर रात गुजारी।

कार्तिक बोले- बहुत मुश्किल से मिली कामयाबी

भरतपुर पहुंचने पर कार्तिक से बातचीत की। वे बोले- मेरे सिलेक्शन के बाद परिवार के सभी लोग काफी खुश हैं। घर पर भी अच्छा माहौल है। पहली बार इस लेवल पर सिलेक्शन हुआ है। इसी साल मैंने 12वीं पास की है। अब कॉलेज में एडमिशन लेना है। मेरी मां नगर निगम में नौकरी करती हैं। सबसे छोटा भाई क्रिकेट खेलता है और उससे बड़ा भाई पढ़ाई करता है। कार्तिक ने बताया- घर की आर्थिक स्थिति ज्यादा ठीक नहीं है मैं कोशिश करूंगा घर की आर्थिक स्थिति जल्द ही ठीक हो। बचपन से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया।

रेन बसेरा भी रुकना पड़ा

कार्तिक के पिता ने बताया कि एक बार मैं ग्वालियर में एक टूर्नामेंट में कार्तिक के साथ गया था। वहां हमें उम्मीद थी कि 4 से 5 मैच के बाद हम वापस आ जाएंगे। इससे ज्यादा हमारी टीम आगे नहीं जाएगी। लेकिन कार्तिक और उसके साथियों ने बहुत अच्छा परफॉर्म किया और टीम फाइनल तक पहुंची। उन्होंने बताया कि हम लोगों के पास इतने ही पैसे थे ?कि हम ग्वालियर में 4 से 5 मैच ही रुक सकते थे। टीम फाइनल तक पहुंची जब तक हमारे पैसे खत्म हो गए थे। हालात ये थे कि होटल में रुकने और खाने तक के पैसे नहीं थे। ऐसे में हम दोनों ने वहां के रेन बसेरा में रुके। इस दौरान एक दिन हमें भूखे भी सोना पड़ा। जब कार्तिक को फाइनल का प्राइज मिला तो हम वापस घर लौटे।

प्लाट बेचकर कार्तिक को क्रिकेट खिलाया

मनोज शर्मा ने बताया कि जब कार्तिक ढाई साल का था तब घर में एक बैट और बोल रखी थी। उसने बेट को उठाया और उससे बॉल मारी। इस शॉट से घर में रखी दो तस्वीर टूट गई। तब से हमें लगने लगा की कार्तिक एक अच्छा खिलाड़ी बनेगा।

कार्तिक के पिता मनोज शर्मा ने बताया कि मैं प्राइवेट ट्यूशन पढ़ाता था। ट्यूशन से ज्यादा कमाई नहीं होती थी। मैंने और मेरी पत्नी राधा शर्मा ने एक सपना देखा कि कार्तिक को क्रिकेट बनाया जाए। उसके लिए किसी भी हद तक जाना पड़े। इसके लिए बहनेरा गांव में हमारे प्लॉट और खेत उन्हें बेच दिया। मेरी पत्नी ने अपने गहने बेच दिए। यह हमारे लिए बहुत बड़ा संघर्ष था।

भाई को हराने वाले विधायक से किरोड़ी बोले-मना नहीं करूंगा:

जो काम बताओगे, उसमें मदद करूंगा; मेरे दिमाग में पार्टी नहीं, आप भी मत रखो

भीम प्रज्ञा न्यूज

दौसा । कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा और कांग्रेस रू दीनदयाल बैरवा दौसा विधानसभा सीट के उपचुनाव के बाद पहली बार एक साथ मंच पर दिखे। दोनों ने एक-दूसरे का अभिवादन किया। दरअसल, 2024 में दौसा विधानसभा सीट के उपचुनाव में दीनदयाल बैरवा ने किरोड़ी के छोटे भाई जगमोहन मीणा को हराया था।मंच से किरोड़ीलाल ने विधायक बैरवा से कहा- मेरे दिमाग में कोई पार्टी नहीं है और आप भी मत रखो। विकास में दौसा को मिलजुल कर आगे ले जाना है। अभी हमारी सरकार है। आपका कोई काम हो तो मैं मना नहीं करूंगा। आप जो भी काम बताओगे, उसमें मदद करूंगा। लेकिन राजनैतिक दृष्टि से यदि हमारा कोई कार्यकर्ता फंस जाए तो उसे बचाना हमारी जिम्मेदारी है वर्ना वो हमको नहीं छोड़ेंगे।

छक्का मारकर सीट जीती

किरोड़ीलाल ने कहा- विधायक बैरवा ने छक्का मारकर जिला मुख्यालय की सीट जीती है। मुझे पहली बार मिले हैं, इनको बधाई देना चाहता हूं। लोकतंत्र में हार-जीत होती रहती है। सुख-दुख और धूप-छांव की तरह सब चलता रहता है। कभी बुरा नहीं मानना चाहिए। एक होकर इलाके का विकास कराना चाहिए। किरोड़ीलाल और दीनदयाल बैरवा ने बुधवार को दौसा के जिला हॉस्पिटल में 7 करोड़ रुपए की लागत से बने ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी यूनिट भवन का लोकार्पण किया।

जिले में 4000 दवा केंद्र बिना फार्मासिस्ट चल रहे:

फार्मासिस्टों ने कलेक्टर से की संविदा नियुक्ति की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू में राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार दोपहर जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने जिले में बिना फार्मासिस्ट के संचालित दवा वितरण केंद्रों और सब-स्टोरों पर स्थायी नियुक्ति होने तक संविदा पर तत्काल भर्ती करने की मांग की। संघ के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के तहत पीएचसी, सीएचसी, यूपीएचसी, जिला अस्पताल, सेटेलाइट अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सीएमएचओ कार्यालय और जिला क्षय रोग अस्पतालों के माध्यम से लगभग 4000 सब-स्टोर और 4500 दवा वितरण केंद्र, कुल 8500 पद स्वीकृत हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से करीब 4000 दवा वितरण केंद्र और सब-स्टोर बिना फार्मासिस्ट के संचालित हो रहे हैं, जिससे मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फार्मासिस्ट संघ ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि जब तक सरकार द्वारा इन पदों पर स्थायी भर्ती नहीं की जाती, तब तक इन स्थानों पर संविदा पर कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। इससे मरीजों की परेशानी कम होगी और स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से चल सकेंगी।ज्ञापन सौंपने वालों में फार्मासिस्ट संघ के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह के साथ उमांशकर शर्मा, किशन मोगा, सौरभ शर्मा, तनसुख और मुकेश शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

नीमकाथाना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक:

पोषण ट्रैकर ऐप, अमृत आहार योजना पर जोर; लापरवाही पर नोटिस जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज

नीमकाथाना । नीमकाथाना स्थित बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय में बुधवार को गोडावास और मावंडा खुर्द सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता बाल विकास परियोजना अधिकारी संजय चेतानी ने की। बैठक में सुशासन सप्ताह - प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

शत प्रतिशत लाभ देने पर दिया जोर

इस दौरान सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर विशेष अभियान चलाकर सर्वे क्षेत्र की पात्र गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य पंजीकरण करने के निर्देश दिए गए। उन्हें विभागीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ प्रदान करने पर जोर दिया गया। सीडीपीओ चेतानी ने सभी पात्र बच्चों का नियमित रूप से वजन एवं लंबाई मापकर पोषण ट्रैकर ऐप में सही प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। साथ ही, शाला पूर्व शिक्षा हेतु पंजीकृत बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के अंतर्गत दूध, सुबह का नाश्ता एवं गर्म भोजन नियमित रूप से उपलब्ध कराने और उसकी ऑनलाइन एंट्री समय पर करने पर विशेष जोर दिया। राज्य सरकार के निर्देशों के बावजूद, पूरक पोषाहार का वितरण चेहरा पहचान प्रणाली (Face Recognition System) के माध्यम से करने में भगेगा, बराला, भगोठ, गोविंदपुरा-सी, गुमान सिंह की ढाणी, मालनगर, नयानगर, नयाबाशी, माउंडा कलां-ए, हरजनपुरा, खोरा एवं प्रीतमपुरी-ए गांवों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की उपलब्धि शून्य पाई गई। इस पर संबंधित कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर ब्लॉक कोऑर्डिनेटर डॉ. अंशुल श्रीवास्तव ने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण ट्रैकर ऐप के नवीनतम संस्करण की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में महिला पर्यवेक्षक बबिता कुमावत एवं मनीषा भी मौजूद रहीं।

राज्य सभा सांसद सुभाष बराला ने आप व कांग्रेस पार्टी को बताया दिखावे वाली पार्टीयां

मनरेगा पर केवल नाम का हल्ला मचाती है कांग्रेस और आप-सांसद सुभाष बराला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मनरेगा, कॉमनवेल्थ गेम्स और हरियाणा की राजनीति को लेकर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। मीडिया के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि मनरेगा के नाम पर केवल शोर मचाने का काम कांग्रेस और आम आदमी पार्टी करती रही हैं, जबकि असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस योजना को नया रूप और नई दिशा दी गई है।

सुभाष बराला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महात्मा गांधी के विचारों और उनके सम्मान के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं। मनरेगा जैसी योजना का उद्देश्य गरीबों और मजदूरों को सम्मानजनक रोजगार देना है और सम्मानजनक रोजगार देना है और भाजपा सरकार इसी मूल भावना के साथ इस योजना में ट्रांसफॉर्मेशन और नयापन ला रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का मूल सरकार का मूल मंत्र ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करना और मनरेगा को कृषि से जोड़ना है। अब मनरेगा के तहत रोजगार की अवधि बढ़ाकर 125 दिन किए जाने की दिशा में काम हो रहा है और इसे कृषि गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कॉमनवेल्थ गेम्स को लेकर पूछे गए सवाल पर सुभाष बराला ने कहा कि यह भारत के लिए गर्व की बात है कि देश को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली है।

नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में रात के अंधेरे में प्रदूषण का खेल, रीको के खाली प्लॉट में गंदगी जलाने से हवा जहरीली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरण नियमों की खुलेआम अनदेखी का मामला सामने आया है। पंजाब नेशनल कृषक प्रशिक्षण रोड के पास स्थित रीको के खाली प्लॉट में लोगों द्वारा गंदगी डालकर रात्रि के समय आग लगाई जा रही है, जिससे क्षेत्र में गंभीर वायु प्रदूषण फैल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रीको के इस खाली प्लॉट में लंबे समय से गंदगी का ढेर लगा हुआ है। पूर्व में पंजाब नेशनल कृषक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा रीको प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन गंदगी डालने वालों पर सख्ती नहीं होने के कारण समस्या दोबारा जस की तस बनी हुई है। शाम होते ही असामाजिक तत्व मौके का फायदा उठाकर गंदगी में आग लगा देते हैं और फरार हो जाते हैं। गंदगी जलने से उठने वाला धुआं आसपास के क्षेत्र की हवा को प्रदूषित कर रहा है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल, कोटपूतली-बहरोड़ के अधिकारी राजकुमार सेहरा ने बताया कि पंजाब नेशनल कृषक प्रशिक्षण केंद्र रोड पर रीको के खाली प्लॉट में गंदगी डालने और रात्रि में आग लगाने की सूचना प्राप्त हुई है। इस संबंध में नीमराना रीको प्रशासन को पत्र लिखा जाएगा और गंदगी डालने और आग लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रीको के वरिष्ठ महाप्रबंधक एस आई हसन ने बताया कि समस्या के स्थाई समाधान के लिए प्रॉपर रूप से दीवार लगाकर और गंदगी डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई का नोटिस लगा दिया जाएगा। जो लोग गंदगी डालेंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में प्रदूषण नियंत्रण मंडल और रीको प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई से ही इस समस्या का समाधान हो सकता है। देखना होगा कि कब तक इस समस्या का समाधान होता है और क्षेत्र को प्रदूषण मुक्त बनाया जाता है।

शिमला में मूक नायक के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन ने आमजन को निष्पक्ष व निर्भीकता की भूमिका निभाने का दिया संदेश- गोठवाल

निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदेश प्रभारी बिरदी चंद गोठवाल को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

मूक नायक का द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेधन गत रविवार को शिमला, हिमाचल प्रदेश के ऐतिहासिक गेयटी हेरिटेज एवं सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित किया गया। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए पत्रकार प्रेम सिंह ने बताया कि उक्त एक दिवसीय अधिवेशन के सफल आयोजन का संपूर्ण आयोजन हिमाचल प्रदेश, शिमला के सभी मूक नायक पत्रकारों की टीम द्वारा सामूहिक तौर पर किया गया । टीम की पुरजोर मेहनत के फलस्वरूप इस समारोह का आयोजन बहुत ही सराहनीय रहा। लोकतंत्र की नींव के चौथे स्तंभ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस के विभिन्न आयामों पर खुलकर विचार विमर्श किया गया। मूकनायक के प्रदेश प्रभारी बिरदी चंद गोठवाल ने कहा कि शिमला में मूक नायक के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन ने आमजन को निष्पक्ष व निर्भीकता की भूमिका निभाने का संदेश दिया है। बेजुबान की जुबान, पीड़ा तथा मर्म को जन जन तक पहुंचाना ही पत्रकारिता का मूल लक्ष्य है। जनमानस की आवाज़ को बुलंद करना, उसके हितों की रक्षा करना तथा इसके लिए सत्ता को सचेत करना, मनमानी से रोकना, न्यायसंगत फैसले लेने हेतु बाध्य करना प्रेस तथा पत्रकारिता के मूल कर्तव्य है। इस अवसर पर उद्योगपति विशाखा गायकवाड, प्रमुख समाजसेविका डॉ रितु सिंह, क्रांतिकारी संघर्षशील युवा लीडर अधिवक्ता रजत कल्सन, संदीप सुधाकर गायकवाड और इस मिशन में जुड़े संगठनों, पत्रकारों, समाजसेवकों को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और शाल भेटकर सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने उद्बोधन द्वारा वर्तमान समय में सामाजिक भेदभाव और उत्पीड़न पर खुलकर चर्चा की तथा विभिन्न मंचों पर आवाज़ उठाने का आवाहन किया। वहीं हरियाणा से प्रदेश प्रभारी बिरदी चंद गोठवाल, पत्रकार प्रेम सिंह, मनोज कुमार, नीलम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से प्रदेश प्रभारी जगदीश चंद्र सिंघल, नंदकिशोर आदि को निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र और मोमैंटो भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रधान संपादक तुषार गायकवाड़, प्रबंध निदेशक डॉ.ओमप्रकाश वर्मा, शिमला प्रभारी देव भारती तथा पूरी शिमला टीम का इस आयोजन में योगदान सराहनीय रहा। उक्त अधिवेशन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मूक नायक के विभिन्न पदाधिकारी, पत्रकार, गणमान्य विभूतियों के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों, संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा 31 जनवरी 1920 को स्थापित मूक नायक के मिशन को वर्तमान समय में तर्क संगत और लोगों की आवाज बनाना ही अधिवेशन का मूल उद्देश्य और केंद्र बिंदु रहा ।

पेंशनर्स मंच उप शाखा चौमूं का वार्षिक पेंशनर्स सम्मान समारोह संपन्न

70 एवं 80 वर्षीय 134 पेंशनर्स का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमू।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर के रेनवाल रोड़ शीश महल गार्डन में बुधवार को राजस्थान पेंशनर्स मंच, जयपुर उप शाखा चौमूं का 21वां वार्षिक पेंशनर्स सम्मान समारोह विप्र कल्याण बोर्ड राजस्थान जयपुर की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं पेंशन मंच जयपुर के जिलाध्यक्ष गुलाबचंद लांबा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। विशिष्ट अतिथि नगर परिषद चौमूं के सभापति विष्णु कुमार सैनी, पेंशन मंच जयपुर के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश क्रांतिकारी, चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा, आरएलपी के प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव, आशा कालरा, राजस्थान पेंशनर्स मंच जयपुर के प्रदेश महामंत्री विष्णु दत्त, विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी थे। मुख्य अतिथि शर्मा ने 70 एवं 80 वर्षीय 134 पेंशनर्स का शॉल ओढ़ाकर एवं बैग देकर सम्मान करते हुए कहा कि पेंशनर्स के सेवाकाल के अनुभवों का लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर पेंशन स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मंच के अध्यक्ष राधेश्याम यादव एवं पदाधिकारी मोहन लाल सैनी, मदनलाल शर्मा, वैद्य रामविलास शर्मा, रामपाल कुमावत, मंत्री सीताराम बुनकर, राम मनोहर शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, भैरू लाल यादव, सत्यनारायण शर्मा ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन नरेंद्र सिंह सोलंकी ने किया।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा।

माय भारत बीकानेर अंतर्गत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में नोखा के गाँव सोवा में आयोजित दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता बुधवार को सम्पन्न हुई। आयोजन प्रभारी पूर्व एनवाईसी गणेश तालनिया ने बताया कि ये प्रतियोगिता दो दिन तक चली। जिसमें नोखा ब्लॉक के विभिन्न गांवों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने खेल कौशल को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में वॉलीबॉल के साथ-साथ ऊँची कूद, लंबी कूद, कबड्डी सहित अन्य खेल गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु गरवा जी शिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य बाबूलाल गेदर, विशिष्ट अतिथि के रूप में देवी सिंह राठौर एवं भगवान राम मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को अनुशासन, स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में केसरदेसर जाटान की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं सोवा गांव की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में केसरदेसर जाटान, गजरूपदेसर, सुरपुरा, रासीसर एवं सोवा सहित कुल आठ गांवों की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मैच रेफरी के रूप में ओम प्रकाश सिवर ने भूमिका निभाई। वहीं आयोजन को सफल बनाने में खेमाराम, राजूराम, सुरेश राजपुरोहित, रामरतन, श्रवण कुमार, सरवन, श्याम कुमावत, सुनील कुमावत, शुक्रचंद, कवि कुशलराज, पूनमचन्द, अर्जुन कुमावत, रामकिशन, गिरधारी गेदर, प्रकाश, मनोज राजपुरोहित, शिवलाल, श्याम लखेश्वर, तुलसीराम, पुरखाराम कुमावत और महिला प्रतिनिधि साक्षी सहित सभी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन महावीर जालप द्वारा किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना एवं उन्हें ब्लॉक स्तर से जिला स्तर तक आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना रहा। इस प्रतियोगिता में विजेता रही टीमें आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में नोखा ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेगी। वहीं इससे पूर्व मंगलवार को माय भारत बीकानेर की जिला युवा अधिकारी रूबीपाल एवं पूर्व एनवाईसी गणेश तालनिया की ओर से माँ सरस्वती की पूजा करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिला युवा अधिकारी रूबीपाल ने आये हुए समस्त प्रतिभागियों को केंद की योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीण युवाओं को उनमे अधिकाधिक भागीदारी करने के लिये प्रेरित किया। शुभारम्भ कार्यक्रम में मांगीलाल खाजूवाला, बाबूलाल सोवा, महावीर जालप सहित गांव के प्रबुद्धजन मौजूद रहें।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

ललित गर्ग

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा।

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा।

जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है,

बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही। आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते।

अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए ह्यआपात कदम उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा ह्यमहंगा विकल्प बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे।

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा। अमीरी होना कोई अपराध नहीं, लेकिन अमीरी की कीमत अगर गरीब चुकाए, तो वह सभ्य समाज की हार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी और सोच हमें यही संदेश देती है कि स्वच्छ पर्यावरण के लिये कुछ सुखों का त्याग अनिवार्य है। यदि आज हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाली पीढ़ियों को हम केवल प्रदूषित हवा, सूखते जलस्रोत और असमानता की विरासत ही सौंप पाएंगे।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

हीरे की चमक से आगे – इंसान की पीड़ा पहचानने की कला

जौहरी बनना जितना आकर्षक लगता है, उतना ही कठिन भी है। वर्षों की साधना, अनुभव, धैर्य और सूक्ष्म दृष्टि के बाद ही कोई व्यक्ति हीरे की सही परख कर पाता है। हीरा अपनी कठोरता, चमक और दुर्लभता के कारण दुनिया में सबसे मूल्यवान रत्नों में गिना जाता है, लेकिन उसकी वास्तविक कीमत तय करना केवल उसकी बाहरी चमक देखकर संभव नहीं होता। जौहरी उसे काटता है, तराशता है, कसौटियों पर परखता है, तब कहीं जाकर यह तय होता है कि वह असली है या नकली, खरा है या दोषयुक्त। यही सिद्धांत मनुष्य के जीवन और समाज पर भी उतना ही लागू होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि हीरे की परख करने वाला जौहरी होता है, जबकि इंसान की परख करने वाला इंसान स्वयं होता है – और यही जिम्मेदारी सबसे कठिन भी है और सबसे महत्वपूर्ण भी। लेकिन यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

आज का समाज बाहरी चमक से अत्यधिक प्रभावित है। पहनावा, पद, पैसा, सोशल मीडिया की लोकप्रियता और ऊंची आवाज़ को ही अक्सर योग्यता का पैमाना मान लिया जाता है। ठीक वैसे ही जैसे बिना परखे काँच को हीरा समझ लिया जाए। लेकिन समय-समय पर यह भ्रम टूटता है, जब वही चमकदार चेहरे भीतर से खोखले निकलते हैं और साधारण दिखने वाले लोग असाधारण योगदान दे जाते हैं। यहीं पर यह बात और गहराई से समझ में आती है कि हीरा परखने वाले से कहीं ज्यादा ज़रूरी है इंसान की पीड़ा, उसकी संवेदना और उसकी क्षमता को परखने वाला व्यक्ति। व्यक्तित्व की गहराई को समझना, किसी की पीड़ा को महसूस करना और उसकी मौन चीख को सुन पाना आसान नहीं होता। इसके लिए भी वैसा ही धैर्य, वैसी ही दृष्टि और वैसी ही संवेदनशीलता चाहिए जैसी एक कुशल जौहरी में होती है। फर्क सिर्फ इतना है कि जौहरी पत्थर को तराशता है, जबकि संवेदनशील इंसान मनुष्य के भीतर छिपे डर, संघर्ष और संभावनाओं को समझने का प्रयास करता है। आज के प्रतिस्पर्धी और स्वार्थी समय में यह संवेदनशीलता लगातार कम होती जा रही है। लोग दूसरों के दर्द से ज्यादा अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करने में व्यस्त हैं।

यह एक कटु सत्य है कि समाज में अक्सर वही लोग आगे बढ़ जाते हैं, जो अपनी चमक दिखाना जानते हैं, जबकि वास्तविक प्रतिभाएं अवसर के अभाव में दब जाती हैं। कितने ही ऐसे बच्चे, युवा और साधारण नागरिक हैं जिनके भीतर असाधारण क्षमता है, लेकिन उन्हें पहचानने वाला कोई 'जौहरी' नहीं मिलता। स्कूलों में, दफ्तरों में, राजनीति में और यहां तक कि परिवारों में भी हम अक्सर बाहरी दिखावे के आधार पर निर्णय ले लेते हैं। नतीजा यह होता है कि मिट्टी में दबा सोना और पत्थर में छिपा हीरा वहीं रह जाता है। सच्चा पारखी वही है जो परिस्थितियों के शोर में भी प्रतिभा की हल्की सी आवाज़ को सुन सके। जो किसी के संघर्ष को उसकी कमजोरी न समझे, बल्कि उसके अनुभव की पूंजी माने। जिसने गरीबी देखी है, असफलता झेली है, अपमान सहा है – वही व्यक्ति अक्सर सबसे ज्यादा संवेदनशील, सहनशील और मजबूत बनता है। लेकिन समाज उसे 'कमज़ोर' का तमगा दे देता है, क्योंकि उसकी चमक अभी तराशी नहीं गई होती।

यहां यह सवाल उठता है कि क्या हम स्वयं अपने भीतर उस जौहरी को विकसित कर पा रहे हैं? क्या हम अपने आसपास के लोगों को उनके पद, जाति, भाषा या आर्थिक स्थिति से नहीं, बल्कि उनके गुणों और विचारों से परखते हैं? क्या हम अपने बच्चों को केवल नंबरों और डिग्रियों के आधार पर आंकते हैं या उनकी रुचियों, संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों को भी महत्व देते हैं? ये प्रश्न केवल आत्ममंथन के लिए नहीं हैं, बल्कि समाज की दिशा तय करने वाले प्रश्न हैं। वास्तविक महानता दूसरों की पीड़ा को समझने और उनकी क्षमता को उभारने में है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने अपने भीतर छिपी प्रतिभाओं को पहचाना, वही आगे बढ़े। चाहे वह विज्ञान हो, साहित्य हो, खेल हो या सामाजिक आंदोलन – हर जगह ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहां किसी ने किसी साधारण से व्यक्ति में असाधारण संभावना देखी और उसे अवसर दिया। वही व्यक्ति बाद में समाज के लिए दीपक बन गया।

पहलगाम के बाद सिडनी इस जहरीली कट्टरपंथी सोच के खात्मे की जरूरत

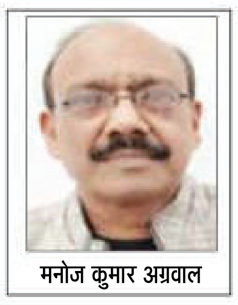
मनोज कुमार अग्रवाल

पहले पहलगाम में धर्म पूछ कर निरीह हिन्दू पर्यटकों का कत्लेआम और अब सिडनी के बीच पर यहूदियों का खून खराबा आखिर यह कौन सी खून की प्यास है और यह कब और कैसे बुझेगी? आपको बता दें कि आस्ट्रेलिया में सिडनी के बोंडी बीच पर बीते रविवार 14 दिसंबर को यहूदी पर्व हनुका के दौरान दो आतंकियों ने अंधी गोलीबारी कर निर्ममता भरा कत्लेआम किया , जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बॉडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी। आपको बता दें कि आतंकियों का मंसूबा और अधिक खून खराबा करने का रहा होगा जो पूरा नहीं हो सका। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है। पता हो कि यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविकतौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन नस्ल और धर्म आधारित नफरत के शैतान हमेशा इंसानियत के कत्ल से अपनी खूनी प्यास मिटाने की जुर्रत करते हैं यह हमला पहलगाम की पुनरावृत्ति मालूम पड़ रहा है इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छु यों का आनंद ले रहे थे, बोंडी बीच पर भी लोग छु यों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बोंडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुका त्योहार मनाने के लिए इक हुए हैं। हंसी-खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच-पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं, खुद नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं। स्पष्ट कर दें कि ऑस्ट्रेलिया में लोग चिंता जता चुके हैं कि देश में क रपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बोंडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आ र्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां क रपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। ऐसा ही भारत में होता रहा है यहां भी मजहबी उपदेशक अपनी क रपंथी मजहबी सोच को अशिक्षित अनुयायी लोगों के जहन को जहरीला बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बोंडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुई तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है? पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक खबरों पर ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया चुनाव 2025- 'हार की जीत' – एक स्वतंत्र पत्रकार की कारुणिक लेकिन साहसिक कथा

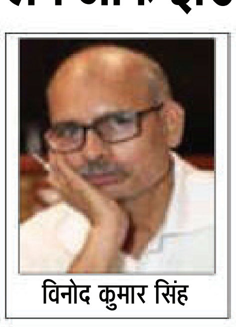
विनोद कुमार सिंह

लोकतंत्र केवल जीत का उत्सव नहीं होता। वह हार के आत्ममंथन, विवेक के परीक्षण और चरित्र की कसौटी का भी नाम है। चुनावी राजनीति में हार को प्रायः पराजय के रूप में देखा जाता है, किंतु जब यह हार सत्य, साहस और ईमानदार संघर्ष के साथ आती है, तब वह केवल परिणाम नहीं रहती, बल्कि एक वैचारिक विजय में रूपांतरित हो जाती है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के वर्ष 2025 के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य पद पर लगातार दूसरी बार मिली पराजय मेरे लिए भी ऐसी ही एक 'हार की जीत' है।

यह आलेख किसी व्यक्तिगत पीड़ा की अभिव्यक्ति भर नहीं है। यह उस संस्थागत यथार्थ का दस्तावेज है, जहाँ लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ तो विद्यमान हैं, किंतु सत्ता का हस्तांतरण लगभग असंभव होता जा रहा है। यह कथा एक स्वतंत्र पत्रकार की है, जो बिना किसी पैनल, बिना संसाधन, बिना सत्ता-समर्थन के, केवल विचार, विवेक और आत्मबल के सहारे मैदान में उतरा। परिणाम पराजय का रहा, पर आत्मा ने हार स्वीकार नहीं की।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया कभी स्वतंत्र पत्रकारिता की चेतना, संवाद और असहमति का जीवंत प्रतीक रहा है। यह वह मंच था जहाँ विचार टकराते थे, प्रश्न उठते थे और सत्ता से निर्भीक संवाद होता था। किंतु बीते वर्षों में यह संस्था धीरे-धीरे एक सीमित दायरे में सिमटती दिखाई देने लगी है। लगातार ग्यारह वर्षों से एक ही सत्तारूढ़ पैनल का सत्ता में बने रहना किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुसंगठित व्यवस्था का संकेत है। चुनाव होते हैं, मतदान होता है, लेकिन सत्ता का चरित्र लगभग अपरिवर्तित रहता है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक संस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस पूरे परिदृश्य में विपक्ष लगभग अनुपस्थित दिखाई देता है। न कोई सशक्त वैचारिक मंच, न साझा एजेंडा,न दीर्घकालिक रणनीति। स्वतंत्र उम्मीदवार बिखरे हुए हैं, संसाधनहीन हैं और आपसी समन्वय के अभाव में एक-दूसरे के पूरक बनने के बजाय प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। परिणामस्वरूप वोटों का विभाजन होता है और सत्तारूढ़ पैनल पहले से अधिक मजबूती के साथ लौट आता है। इस अर्थ में यह हार किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सामूहिक रणनीतिक विफलता की भी कहानी है।वर्ष 2025 के चुनाव में कुल 1268 मत पड़े,जिनमें से 1227 मत वैध घोषित किए गए। इस व्यापक मतदान के बीच मुझे केवल 291 मत प्राप्त हुए। कागज पर यह संख्या छोटी प्रतीत हो सकती है, किंतु मेरे लिए यह मात्र एक अंक नहीं थी। वे 291 मत 291 विवेकपूर्ण निर्णय थे, 291 चेहरे थे, 291 ऐसी आवाजें थीं जिन्होंने भय, प्रलोभन और सत्ता के दबाव से ऊपर उठकर स्वतंत्र सोच का साथ दिया। जब परिणाम लगभग पूर्वनिर्धारित हों, तब 291 मत भी एक प्रतिरोध का स्वर बन जाते हैं।

यह मेरी लगातार दूसरी पराजय है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि ऐसा क्यों हुआ। उत्तर सरल नहीं, किंतु स्पष्ट अवश्य है। पहला कारण यह कि मैं किसी पैनल का हिस्सा नहीं था। दूसरा यह कि मेरे पास न तो संस्थागत संसाधन थे और न ही संगठित प्रचार तंत्र। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह कि मैंने समझौतावादी राजनीति को अस्वीकार किया। मैंने वादों और सौदों की राजनीति नहीं की। मैंने केवल मुद्दों की बात की पत्रकारों की सुरक्षा,स्वास्थ्य सुविधाएँ, आवास,स्वतंत्र पत्रकारों की पहचान और प्रेस क्लब को सत्ता-केंद्र के बजाय संवाद-केंद्र बनाने की आवश्यकता।दुर्भाग्यवश आज के समय में मुद्दों की राजनीति अक्सर प्रबंधन और नेटवर्क की राजनीति से हार जाती है।यह स्वीकार करना होगा कि सत्तारूढ़ पैनल संगठित है, अनुशासित है और वर्षों से बने प्रभावी नेटवर्क का लाभ उठाता है। क्लब की व्यवस्थाएँ, संसाधन और निर्णय-प्रक्रियाएँ उसी के इर्द-गिर्द केंद्रित हो चुकी हैं। इसके विपरीत स्वतंत्र प्रत्याशी केवल अपनी नैतिक पूंजी के सहारे खड़े दिखाई देते हैं, जो चुनावी गणित में अक्सर अपर्याप्त सिद्ध होती है।चुनाव परिणाम के बाद का क्षण किसी भी प्रत्याशी के लिए कठिन होता है। वर्षों का अनुभव, लेखनी की धार और ईमानदार संघर्ष जैसे क्षणभर में अप्रासंगिक प्रतीत होने लगते हैं। मन में अनेक प्रश्न उठते हैं क्या सच बोलना अब भी मूल्य है? क्या अकेले खड़े होना मूर्खता है? क्या स्वतंत्रता की कीमत बहुत अधिक है? लेकिन जब यह प्रश्न अंतरात्मा के दरबार में जाते हैं, तो उत्तर एक ही मिलता है यदि जीत के लिए आत्मा गिरवी रखनी पड़े, तो ऐसी जीत भी हार से कम नहीं होती।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक परिसर में परिणाम घोषित होने के बाद का दृश्य आज भी स्मृति में अंकित है।चारों ओर शोर था,विजयी पैनल के समर्थकों के चेहरे पर मुस्कान और आत्म विश्वास था। उसी भीड़ में मैं अकेला, शांत और विचारों में डूबा खड़ा था। कारण स्पष्ट था मैं जीत नहीं पाया था। किंतु उस क्षण भीतर कोई टूटन नहीं थी।बल्कि एक विचित्र शांति थी,जो केवल तब आती है जब व्यक्ति जानता हो कि उसने अपने विवेक से समझौता नहीं किया। कई साथियों ने बाद में आकर कहा 'हमें पता था आप जीतेंगे नहीं, फिर भी हमने आपको वोट दिया। यह वाक्य मेरे लिए किसी भी पद या जीत से बड़ा था।यह इस बात का प्रमाण था कि क्लब के भीतर अभी भी ऐसी चेतना शेष है,जो अवसरवाद से ऊपर उठकर मूल्य को चुनती है।यही कारण है कि यह हार मुझे भारी नहीं लगी।यह ईमानदार थी,खरी थी और किसी सौदे का परिणाम नहीं थी।

उस रात नींद नहीं आई।एकांत में प्रश्नों की लंबी शृंखला थी। पत्रकारिता के मूल्यों पर,स्वतंत्रता के भविष्य पर और संस्थागत संरचनाओं की जटिलताओं पर विचार चलता रहा।सुबह जब सूरज की पहली किरण आई,तो मन में एक स्पष्टता भी आई।मैंने जो किया, वह अपने विवेक के अनुसार किया। मैंने हार स्वीकार की है,लेकिन आत्मसमर्पण नहीं।

यह चुनाव यह भी उजागर करता है कि पत्रकारिता के भीतर भी सत्ता संरचनाएँ कितनी गहराई तक जड़ जमा चुकी हैं।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया,जो संवाद और बहस का मंच होना चाहिए,कहीं-न-कहीं सुविधा, प्रभाव और प्रबंधन का केंद्र बनता जा रहा है। यह कहना असहज हो सकता है,किंतु सच यही है कि हमें सत्ता से सवाल पूछने की क्षमता केवल बाहर नहीं,अपने संस्थानों के भीतर भी विकसित करनी होगी। यह मेरी अंतिम लड़ाई नहीं है।यह केवल एक पड़ाव है।भविष्य में यदि फिर मैदान में उतरूँगा,तो और व्यापक संवाद,अधिक संगठित वैचारिक मंच और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ उतरूँगा।स्वतंत्र पत्रकारों को केवल चुनाव के समय नहीं,पूरे वर्ष जोड़ने की आवश्यकता है।परिवर्तन क्षणिक नहीं होते,वे निरंतर प्रयास से आकार लेते हैं।

यह हार मुझे छोटा नहीं करती। यह मुझे और जिम्मेदार बनाती है।जब तक लिखने की क्षमता है,तब तक सवाल उठाने का दायित्व है। जब तक विवेक जीवित है,तब तक स्वतंत्र पत्रकारिता की लौ जलती रहेगी।शायद यही मेरी वास्तविक जीत है। मै अपने उन मीडिया मित्रों ' मतदाताओं व अपने समर्थको का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे इस चुनाव अपना मत के साथ बहुमूल्य समर्थन व योगदान दिया । अंततः जीवन में वही हार सबसे बड़ी जीत होती है, जो आपको पराजय के बाद भी सच्चा बनाए रखे।

मृत्य संस्कारों में लगी बाबा साहेब के साहित्य की स्टॉल, सामाजिक जागरूकता की अनूठी मिसाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मृत्यु संस्कारों के दौरान बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और मिशन से संबंधित पुस्तकों की स्टॉल लगाया जाना समाज में बढ़ती जागरूकता और वैचारिक परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। ऐसा ही प्रेरणादायक उदाहरण झुंझुनूं जिले के महरूमपुर निवासी बनवारी लाल करोल की पत्नी दिवंगत गोदावरी देवी के मृत्यु संस्कार के अवसर पर देखने को मिला। दिवंगत गोदावरी देवी के मृत्यु संस्कार बौद्ध रीति से पूज्य भंते विनयपाल जी के सान्निध्य में संपन्न कराए गए। इस अवसर पर बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर मिशन से संबंधित पुस्तकों की स्टॉल लगवाई गई, जहां से हजारों रुपये का साहित्य क्रय किया गया। उपस्थित लोगों ने इसे एक सराहनीय और अनुकरणीय पहल बताया। दिवंगत के सुपुत्र राजेंद्र करोल एवं अशोक करोल ने अपनी माताजी के मृत्यु संस्कार बौद्ध रीति से संपन्न

कराकर बाबा साहेब के मिशन को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। साथ ही दिवंगत की स्मृति में परिवार की ओर से उपस्थित सभी लोगों को नववर्ष का 'जय भीम' कैलेंडर भी वितरित किया गया।? इस ऐतिहासिक एवं वैचारिक पहल में सुरेश जी चोपड़ा एवं मनीराम जी देवरोड़ का विशेष मार्गदर्शन रहा।

दिवंगत गोदावरी देवी के परित्राण एवं शांति पाठ के अवसर पर बनवारी लाल करोल, नवरंग करोल, भागीरथ करोल, गोपीराम करोल (अधिशासी अभियंता), अमित करोल, सुरेश जी चोपड़ा, जगदीश चोपड़ा, डॉ. गुरुदयाल सिंघल, मातादीन, संजय, दीपक, मूलचंद, जगदीश कलिया, रामस्वरूप कलिया, बी.एल. बौद्ध, धर्मपाल बौद्ध भोबिया, दुर्गा प्रसाद बौद्ध, महेंद्र, रघुवीर, सिद्धार्थ करोल, श्रुति, सुमित्रा करोल, अनीता करोल, उषा, किरण, राधा करोल, शारदा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। यह आयोजन सामाजिक चेतना, समानता और बौद्ध विचारधारा के प्रसार की दिशा में एक प्रेरक पहल के रूप में याद किया जाएगा।

अग्रवाल समाज के प्रांतीय अधिवेशन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से किया संपर्क, आयोजन में शामिल होने के लिए दिया न्यौता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

नव वर्ष के प्रथम रविवार 4 जनवरी 2026 को खाटूश्यामजी में अग्रवाल समाज के आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय अधिवेशन के लिए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत व सीकर जिला चैयरमेन अमित चिरानिया के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने अग्रवाल समाज के प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर आयोजन में शामिल होने का न्योता दिया। सम्मलेन के राष्ट्रीय मंत्री भूत व जिला चैयरमेन अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने झुंझुनू जिला कलेक्टर अरुण गर्ग, सीकर उपखंड अधिकारी निखिल कुमार,सीकर

जिला वाणिज्यिक कर अधिकारी मनोज सिंघल, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, भाजपा प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल से मुलाकात कर अधिवेशन में आने का निमंत्रण दिया।प्रतिनिधि मंडल में समाजसेवी संजय मोर, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला अध्यक्ष अनिल तोदी, जिला महामंत्री मणिशंकर खेतान, प्रदेश युवा महामंत्री संदीप बजाज, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, प्रदेश मंत्री शुभम मोदी आदि शामिल थे।

सुशासन रथ से गांव-गांव तक सरकार का हिसाबः

भजनलाल सरकार के 2 साल पूरे, पालनहेड़ा से सलेमपुर तक दिखा विकास पर भरोसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को निकली सुशासन रथ यात्रा ने ग्रामीण अंचल में विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाया। यात्रा की शुरुआत ग्राम पंचायत पालनहेड़ा से हुई, जो औंड मीणा, खानपुर, तालचिडी, ढंड, शीशवाड़ा और समसपुर होते हुए आगे बढ़ी। हर गांव में खेड़ला मंडल अध्यक्ष राजबहादुर गुर्जर तथा बिजेंद्र सांथा, मुकेश और रवि पटेल के नेतृत्व में ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने रथ का गर्मजोशी से स्वागत किया। गांव-गांव दिखी भागीदारी ने यह साफ कर दिया कि सरकार के दो साल के कामकाज को लेकर ग्रामीण समाज में भरोसा मजबूत हुआ है। यात्रा के दौरान जिला प्रकोष्ठ सहसंयोजक सुधा गुप्ता, सुशासन यात्रा विधानसभा संयोजक मिश्री देवी, सहसंयोजक योगेश शास्त्री, मंडल अध्यक्ष राजबहादुर गुर्जर, राहुल देशवाल, पप्पू समसपुर, सुरेश सैनी, दिनेश डॉक्टर, भगवानसहाय तिवाड़ी, मोनू सरपंच, देवराज डालचंद सैन, वंदना जैन सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। संयोजकों ने सरल ग्रामीण भाषा में सरकार के दो वर्षों की उपलब्धियों को रखते हुए बताया कि जनकल्याणकारी योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और प्रशासनिक सुधारों के जरिए शासन को आमजन के और करीब लाया गया है। इसके बाद सुशासन रथ यात्रा ग्राम पंचायत नाहिडा और साहिडा सलेमपुर पहुंची,

जहां स्थानीय प्रशासकों और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ स्वागत किया। सलेमपुर थाना परिसर में यात्रा के ठहराव के दौरान विधानसभा सहसंयोजक योगेश शास्त्री ने कहा कि भजनलाल सरकार ने दो वर्षों में अपने लक्ष्यों का बड़ा हिस्सा धरातल पर उतार दिया है और शेष कार्यों को भी समयबद्ध ढंग से पूरा कर विकसित राजस्थान का संकल्प साकार किया जाएगा। वहीं विधानसभा संयोजक मिश्री देवी ने महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के लिए लगातार नई योजनाएं लागू कर रही है, जिससे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त राजस्थान की नींव मजबूत हो रही है। सुशासन रथ यात्रा ने गांव-गांव यह संदेश दिया कि सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जमीन पर काम कर रही है, और यही भरोसा ग्रामीण जनता की भागीदारी में साफ नजर आया।

खेड़ला में ही बने पंचायत समिति भवनः पूर्व विधायक हुडला ने ग्रामीणों के साथ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, भूमि आवंटन की भी रखी मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नवगठित मनोहरपुर-खेडला पंचायत समिति के स्थायी भवन को लेकर अब आंदोलनात्मक स्वर तेज होने लगा है। क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉ. ओमप्रकाश हुडला ने मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ जिला कलेक्टर दौसा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए दो टूक शब्दों में मांग रखी कि पंचायत समिति का स्थायी भवन खेड़ला बुजुर्ग में ही बनाया जाए। उनका कहना है कि पंचायत समिति को दर्जा मिले काफी समय बीत चुका है, लेकिन अब तक भवन का निर्माण नहीं होने से प्रशासनिक कामकाज, विकास योजनाओं की समीक्षा और आमजन की समस्याओं के समाधान में लगातार बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। पूर्व विधायक डॉ. हुडला ने

ज्ञापन में स्पष्ट किया कि पंचायत समिति क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतें सीधे तौर पर इससे जुड़ी हुई हैं, लेकिन स्थायी भवन के अभाव में अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को बार-बार असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने खेड़ला बुजुर्ग स्थित शहीद मोहन सिंह स्मारक के पास उपलब्ध सरकारी भूमि को पंचायत समिति भवन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त बताते हुए कहा कि खसरा संख्या 2103/2100 में स्थित लगभग 25 बीघा भूमि पंचायत समिति कार्यालय, सभागार और अन्य प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह पर्याप्त है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि खेड़ला बुजुर्ग में पर्याप्त चारागाह भूमि उपलब्ध है और पहले से ही कई सरकारी कार्यालय संचालित हैं, जिससे यह क्षेत्र प्रशासनिक दृष्टि से स्वाभाविक केंद्र बन चुका है।

डॉ. हुडला ने यह भी स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिस अन्य भूमि के आवंटन की चर्चा की जा रही है, वह पंचायत समिति क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा के अनुरूप नहीं है, जबकि खेड़ला बुजुर्ग भौगोलिक स्थिति, आवागमन और जनसुविधा की दृष्टि से सबसे उपयुक्त स्थान है। यदि शीघ्र भूमि आवंटन किया जाता है तो पंचायत समिति भवन का निर्माण तुरंत प्रारंभ हो सकता है, जिससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे प्रशासनिक कार्यों के लिए दौसा या अन्य दूरस्थ स्थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और उनका समय व धन दोनों बचेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मौजूद ग्रामीणों ने भी एक स्वर में पंचायत समिति भवन खेड़ला में ही बनाए जाने की मांग का समर्थन किया। ग्रामीणों का कहना था कि पंचायत समिति बनने के बाद क्षेत्र में विकास को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं, लेकिन स्थायी भवन के अभाव में विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर भूमि आवंटन का निर्णय लिया जाए।

शहरी सेवा शिविर ऑफिस तक सिमटा पार्षदों का आरोप

ईओ शिविर से नदारद, एसडीएम ने जताई नाराजगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटीद्य

सुमेर मीणा । संघर्ष समिति के संयोजक मंडल ने उदयपुरवाटी नगरपालिका कार्यालय परिषर में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 में अनियमितता को लेकर पार्षदों का एक शिष्ट मंडल एडवोकेट शीशपाल सैनी की अगुवाई में एसडीएम से मिला।पार्षदों ने पालिका कार्यालय की बजाय वार्डवार शिविर आयोजित करने, शिविर में ईओ एवं कनिष्ठ अभियंता समन्धित अन्य विभागों के कर्मचारियों की नदारद रहने की शिकायत की। मौके पर उपखंड अधिकारी ने पालिका के एसआई विष्णु सरपटा, देवी लाल रेप्सवाल को बुलाया तथा पार्षदों के शिष्ठ मंडल को बातचीत के लिए बुलाया।वार्ता के दोहन पार्षद अजय तसीड. ने राजस्थान सरकार के महत्वकांक्षी शहरी सेवा शिविर 2025 को वार्डवार न लगाकर

पालिका ईओ ने शिविर को महज ऑफिस तक सीमित कर दिया,शिविर में ईओ जईएन सहित अनेक विभागों के कर्मचारियों की नदारदगी से शिविर की सार्थकता खत्म कर दी गयी हैं, ईओ चुने हुए जनप्रतिनिधियों के फोन नही उठाते जिस पर एसडीएम ने गहरी नाराजगी जताई तथा एएसआई विष्णु सरपटा, देवीलाल को फटकार लगाई, तथा शहरी सेवा शिविर को पालिका क्षेत्र के सभी वार्डो में लगवाने के निर्देश दिए। वही शिविर में अनुपस्थित रहने वाले सभी विभागों के कर्मचारियों की प्रतिदिन की उपस्थिति एसडीएम कार्यालय भिजवाने की बात कही। एडवोकेट शिशुपाल सैनी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना में शासन सचिव के निर्देशों की चार सप्ताह बाद भी उदयपुरवाटी शहरी निकाय में पालना नही होने का आरोप लगाया सैनी ने बताया कि शहरी निकायों को स्टेट डॉग व बेसहारा पशुओं से मुक्त बनाने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश थे। ईओ के गैर जिम्मेदारापन के कारण स्टीट डॉग बेसहारा पशुओं के पुर्नवास की कार्ययोजना नही बन पाई।जिस पर एडीएम ने पालिका प्रशासन को लिखत में रिपोर्ट पेश करने की बात। अमित अली कछवा ने बदहाल सफाई एवं खराब पड़े ऑटोटॅापर व ठप लाइट व्यवस्था के बारे में बताया।

सवा घण्टे चली वार्ता

उपखंड अधिकारी सुमन सोनल, पालिका एएसआई विष्णु सर्पटा, देवी लाल रेप्सवाल, पार्षद अजय तसीड, एडवोकेट शीशपाल सैनी, कुलदीप कटारिया,पिंटू सैनी,राहुल तंवर,अमित अली कच्छावा, के बीच सवा घण्टे वार्ता चली जिसमें बिंदुवार ज्ञापन पर चर्चा हुई। उपखंड अधिकारी ने पालिका कर्मचारियों को सोमवार तक ज्ञापन में लिखी समस्याओं पर तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने की बात कही वही पार्षदों के शिष्ट मण्डल को 10 दिन में स्वंय औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओ जायजा लेने का आश्वासन दिया।

चौफुल्या चंवरा में माली समाज की जिला स्तरीय आम सभा कल

माली समाज की जिला स्तरीय आम सभा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से

उदयपुरवाटी / ककराना ।

सुमेर मीणा । चंवरा चौफुल्या में पुलिस चौकी के पास 19 दिसंबर को माली सैनी समाज की जिला स्तरीय आम सभा का आयोजन होगा। संगठन जिला मीडिया प्रभारी भरत सिंह कटारिया ककराना ने बताया कि सभा में माली,मौर्य,सुमन,कुशवाह को 12'अलग से आरक्षण देने, महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड देवनारायण बोर्ड की तर्ज पर वित्तीय व प्रशासनिक अधिकारी एवं संगठन के पदाधिकारी की नियुक्ति करने, महात्मा फुले फाउंडेशन का निर्माण करने, समाज को एक जुट करना , समाज को एकता के सूत्र में बांधना आदि मांगों पर विचार कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। मुख्य अतिथि बॉक्सर जतिन सैनी महापंचायत संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि दीपक सैनी सैनी महापंचायत प्रदेश अध्यक्ष, उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी होंगे। खेतड़ी पूर्व विधायक पूरणमल सैनी, भाजपा ओबीसी आयोग सदस्य पवनवा मावडिया, उदयपुरवाटी नगर पालिका अध्यक्ष रामनिवास सैनी, जिला अध्यक्ष महेंद्र शास्त्री, युवा नेता संदीप सैनी, चेयरमैन सुमित्रा सैनी शिरकत करेंगे।

सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने पालडीवाला इंड्रस्टियल ट्रेनिंग सेंटर का किया शैक्षणिक भ्रमण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंगलूना के विद्यार्थियों ने बुधवार को पालड़ीवाला वोकेशनल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट एवं पालड़ीवाला इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण किया। शैक्षिक भ्रमण में कक्षा 9वीं से 11वीं तक के कुल 64 विद्यार्थी जिसमें 38 छात्राएँ एवं 26 छात्र शामिल रहें विद्यालय की ओर से सरिता वोकेशनल इंचार्ज, कविता एवं वरिष्ठ व्याख्याता धर्मेश उपस्थित रहें। जबकि पालड़ीवाला एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सोसाइटी की ओर से संस्थान के प्राचार्य राकेश मालवीय, सेठ मदन लाला पालड़ीवाला संस्थान के प्रतिनिधि डॉ. गोपा कुमार एवं संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों का

मार्गदर्शन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण, उपलब्ध पाठ्यक्रमों, आधुनिक सुविधाओं तथा रोजगारोन्मुखी कौशल विकास के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण गतिविधियों को उत्साहपूर्वक देखा और भविष्य की कैरियर संभावनाओं को लेकर जिज्ञासा व्यक्त की।

स्वेटर पाकर स्कूल के बच्चों के खिले चेहरे

बगड़िया स्कूल के सचिव पवन गोयनका ने स्कूल के बच्चों को खेल सामग्री के लिए 51सौ रूपये किए भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाटोदा में बच्चों को स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्वेटर पाकर स्कूल के बच्चों के चेहरे मुस्कान आईं। आयोजित कार्यक्रम में लक्ष्मनगढ के गुप्त दानदाता के सहयोग से स्कूल में 105 बच्चों को स्वेटर वितरण की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बगड़िया स्कूल के सचिव पवन गोयनका ने स्कूल के बच्चों के लिए खेल सामग्री के लिए 51सौ रूपये प्रदान किए। स्कूल के वरिष्ठ

शारीरिक शिक्षक रामस्वरूप सैनी की प्रेरणा से आयोजित स्वेटर वितरण कार्यक्रम में उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, बगड़िया स्कूल के सचिव पवन गोयनका, निवर्तमान सरपंच महेंद्र सिंह ढाका, प्रधानाचार्य रमेश चंद्र वर्मा, स्टाफ साथी रामस्वरूप ढाका, लक्ष्मी कुमारी, बाबूलाल शर्मा, भगवती ढाका, चंदा जांगिड़, जगदीश प्रसाद ढाका, कैलाश चंद, राधेश्याम शर्मा, सरिता भास्कर, भगवती महर्षि, ज्योति बगड़िया, कानाराम, हरवीर सिंह डूडी, सुमन कुमारी, सुशीला, गोपाल सिंह कविया, रामस्वरूप पीटीआई, विजेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, राजेंद्र कुमार कुलहरी, नरेंद्र सिंह, अशोक सिंह बिदावत, गायत्री देवी आदि मौजूद थे।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत का राज्य स्तरीय शैक्षणिक सम्मेलन 19-20 दिसम्बर को सालासर में

भीम प्रज्ञा न्यूज

लक्ष्मणगढ़। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत नेछवा के ब्लॉक अध्यक्ष अशोक कस्वाँ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संगठन का 62वॉ राज्य सम्मेलन बालाजी धाम सालासर में आयोजित होगा । सम्मेलन में प्रदेश भर के शिक्षक बड़ी संख्या में भाग लेंगे ।सम्मेलन स्थल श्री बालाजी गोशाला , सुजानगढ़ रोड सालासर रहेगा । सम्मेलन के मुख्य वक्ता सिद्धेश्वर शुक्ला प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय सुरेन्द्र कम्बोज एसटीएफआई के पंजाब प्रमुख होगें । कस्वाँ ने बताया कि सम्मेलन में नई शिक्षा नीति के ख़िलाफ़, सार्वजनिक शिक्षा को बचाने व निजीकरण के ख़िलाफ़, रिक्त प्राध्यापक अध्यापक व अशैक्षणिक पदो को भरने,शिक्षकों की नियमित पदोन्नति, गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त , तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादला नीति बनाकर स्थानांतरण , प्रधानाचार्य,व्याख्याता,द्वितीय श्रेणी शिक्षकों का भी न्यायोचित स्थानांतरण सहित अनेक मांगों पर 19-20 दिसम्बर को आयोजित सम्मेलन में गंभीर चर्चाए की जाएगी ।

भाजपा नेता अमित शर्मा बलारां को मिली संगठन में अहम व महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, बने पार्टी के जिला प्रवक्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शर्मा बलारां को पार्टी के जिला नेतृत्व की ओर से संगठन में अहम व महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए भाजपा का जिला प्रवक्ता बनाया है। शर्मा को जिला प्रवक्ता बनाए जाने पर जिले के पार्टी पदाधिकारियों, सदस्यों, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों, समर्थकों,

शुभचिंतकों व ग्रामीण जनों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है तथा पार्टी के जिला व प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि शर्मा इससे पहले पार्टी संगठन में जिला मंत्री व बलारां भाजपा मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी बखूबी निभा चुके हैं।

एनआईआईटी यूनिवर्सिटी नीमराना में MSME प्रशिक्षण शिविर जारी, उद्यमियों को मिल रहा व्यावहारिक मार्गदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । एनआईआईटी यूनिवर्सिटी परिसर में एमएसएमई, लघु उद्योग भारती नीमराना इकाई एवं एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक जारी है। शिविर का उद्देश्य उद्यमियों, लघु एवं मध्यम उद्योगों से जुड़े लोगों तथा विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक तकनीकों, प्रबंधन कौशल एवं रोजगारोन्मुखी ज्ञान से सशक्त बनाना है। लघु उद्योग भारती नीमराना इकाई के अध्यक्ष शशांक भारद्वाज, सचिव सुनील कुमार जुनेजा एवं एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम समन्वयक गुरिंदर नाथ भारद्वाज ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में उद्योग-शिक्षा के समन्वय पर

विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे प्रतिभागियों को व्यवहारिक अनुभव के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं की स्पष्ट समझ मिल सके। शिविर के तीसरे दिन लघु उद्योग भारती के प्रांत सदस्य के.के. यादव मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को औद्योगिक संचालन से जुड़े नियम-कायदों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं एवं व्यावसायिक अनुशासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रैफल्स यूनिवर्सिटी अलाबार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार ने कार्यक्रम की उपयोगिता एवं एमएसएमई क्षेत्र में इस तरह के प्रशिक्षण शिविरों के महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर के दौरान विशेषज्ञों द्वारा एमएसएमई योजनाओं, स्टार्टअप अवसरों, नवाचार, कौशल विकास, उद्यमिता एवं स्वरोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले कर्मवीर योद्धाओं को माला व पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती नीमराना इकाई के पदाधिकारी, एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के शिक्षाविद, स्थानीय उद्योग प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहें।

शहीद सुखदेव सिंह बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गनेड़ी में बच्चों को स्वेटर की वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के अध्यक्ष अशोक कस्वाँ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गनेड़ी कस्बे में स्थित शहीद सुखदेव सिंह राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को गांव के निवासी भामाशाह राजपाल भँवर लाल स्वामी के द्वारा 125 स्वेटर व कोट वितरित किये गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य सुमन भड़िया और विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच शंभूदयाल कुमावत जिला परिषद सदस्य कपिल शर्मा पीईईओ सुमन भूपेश मंगल सैनी अली खान बबलू एसएमसी अध्यक्ष रामेश्वर मेघवाल शिक्षक रामनिवास जांगिड शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष झाबर मल मौजूद रहें। प्रधानाचार्य सुमन भड़िया ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ त्रिलोका राम, प्रियंका, निशा भामू, भागोती, राधा आदि शिक्षक उपस्थित रहे ।

टोहाना के प्रतिष्ठित होली हार्ट स्कूल में सामाजिक विज्ञान पर क्विज आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । होली हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में सामाजिक विज्ञान विषय पर क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के चारों सदनों– हिमालय सदन, शिवालिक सदन, नीलगिरि सदन तथा अरावली सदन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विषय से जुड़े कई महत्वपूर्ण टॉपिक शामिल किए गए जिसका विद्यार्थियों ने उत्तर देकर अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अरावली सदन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।अरावली सदन की विजेता टीम में निहारिका, हर्षित, हर्ष, यश और पर्वांश शामिल थे, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट ज्ञान से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता शिक्षिका रचना अरोड़ा और मनीषा की देख-रेख में संपन्न हुई। कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर पायल मेहता ने बच्चों को नियम समझाए और उन्हें पूरे उत्साह के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास, ज्ञान और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को मजबूत करते हैं।

19 दिसम्बर को फ्री मैडिकल चैकअप कैंप का होगा आयोजन -सीएमओ, सिविल अस्पताल, फतेहाबाद

वरिष्ठ नागरिकों के लिए फ्री मेडिकल चैकअप कैम्प बाल भवन में सुबह 10 बजे

भीम प्रज्ञा न्यूज़।

फतेहाबाद रजत विजय रंगा, । वरिष्ठ नागरिकों के लिए वरिष्ठ नागरिक परिषद के तत्वाधान में नागरिक अस्पताल फतेहाबाद के सीएमओ कार्यालय के सहयोग से दिसम्बर माह का निशुल्क मेडिकल चैकअप कैम्प 19 दिसम्बर 2025 शुक्रवार को बाल भवन फतेहाबाद के हॉल में प्रातः 10 बजे से प्रधान श्रीमती ईश्वर देवी की अध्यक्षता में लगाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सचिव सुग्रीव सिंह बिश्नोई ने बताया इस चैकअप कैम्प में सेवानिवृत डिप्टी सीएमओ के नेतृत्व में टीम वरिष्ठ नागरिकों की निशुल्क जांच करेगी व दवाईयां भी वितरित की जाएगी। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वे कैम्प में अपना आधार कार्ड अवश्य साथ लेकर आए। उन्होंने सभी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, सदस्यों व वरिष्ठ नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस कैम्प में पहुंचकर लाभ उठाए। उन्होंने बताया कि इस कैम्प में जिले से कोई भी 60 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक व महिला अपना चैकअप करवा सकती है।

स्कूल के बच्चों को स्वेटर की वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शहीद नोपाराम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूमा बड़ा में पीईईओ रजनी शर्मा की अध्यक्षता में खीचड़ परिवार की ओर से स्वेटर वितरण किया गया। इस अवसर पर उप सरपंच मूली देवी खीचड़ एवं भामाशाह मंजू खीचड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रही। पीईईओ रजनी शर्मा ने स्वेटर वितरण करने वाले खीचड़ परिवार के पुनीत कार्य की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के पुनीत कार्य करते रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन मनफूल बगड़िया ने किया। इस अवसर पर रमेश प्रजापत, बबीता कुमारी, रामचंद्र शर्मा, विकास पिलानिया, किरण जाट, हरदयाल सुंडा, इंदुबाला, राजेंद्र सैन, डॉक्टर सुनील मील, ममता कुमावत, ईशान खीचड़, राजपाल महला एवं अर्जुन सिंह सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अभिभाषक संघ सूरजगढ़ की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

अभिभाषक संघ सूरजगढ़ की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम एसीजेएम मोहनलाल बेदी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडीएम दीपक चंदन, चिड़ावा एसडीएम नरेश सोनी तथा तहसीलदार जयसिंह उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक शर्मा ने की। मुख्य अतिथि एसीजेएम मोहनलाल बेदी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को निष्पक्षता, ईमानदारी और विधि के मूल्यों के अनुरूप कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने अधिवक्ताओं की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अधिवक्ताओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष संदीप मान, उपाध्यक्ष अमित राव, सचिव राकेश वर्मा, सह सचिव अनिल शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश शर्मा, राजेश चिरानिया तथा पुस्तकालय अध्यक्ष रतनलाल तंवर सहित अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।विशिष्ट अतिथियों ने अपने संबोधन में अधिवक्ताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक शर्मा ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संघ को और अधिक सशक्त बनाने पर बल दिया।कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट बिशन सिंह शेखावत ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एनएच-921 के चौड़ीकरण के विरोध को लेकर रसीदपुर-भापुर के ग्रामीणो ने महवा एसडीएम को सौंपा आपत्ति पत्र

विधि विरुद्ध सर्वे निरस्त कर पीडब्ल्यूडी भूमि से सीधा मार्ग निकालने की रखी मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के ग्राम रसीदपुर और भापुर के ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एनएच-921 के महवा-मंडावर से राजगढ़ खंड में प्रस्तावित 4/6 लेन चौड़ीकरण और भूमि अवाप्ति के खिलाफ एकजुट होकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। ग्रामीणों ने भूमि अवाप्ति अधिकारी पदेन उपखंड मजिस्ट्रेट महवा को संयुक्त आपत्ति पत्र सौंपते हुए यह आरोप लगाया कि करीब आठ किलोमीटर क्षेत्र में किया गया सर्वे पूरी तरह विधि विरुद्ध, आधारहीन और तकनीकी दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है, जिससे अनावश्यक भूमि अधिग्रहण, धार्मिक स्थलों को क्षति और सड़क दुर्घटनाओं का गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। इसे लेकर आपत्तिकर्ता ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित रोड को रसीदपुर और भापुर के कई खसरा नंबरों में जानबूझकर 'एस' घुमाव देकर दर्शाया गया है, जिससे गांवों के दो प्राचीन मंदिर सीधे रूप से प्रभावित हो रहे हैं। ये मंदिर वर्षों से ग्रामीण आस्था के केंद्र हैं और यदि इस सर्वे के अनुसार निर्माण किया जाकर इन मंदिरो को नुकसान पहुंचाया गया तो क्षेत्रीय ग्रामीणो की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचेगी। साथ ही ग्रामीणो ने आपत्ति पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि एसएच-35 के आगे सार्वजनिक निर्माण विभाग की लगभग 7200 वर्गमीटर भूमि आज भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, बावजूद इसके निजी काश्तकारों की भूमि पर रोड ले जाना न केवल अव्यावहारिक है बल्कि सरकारी खजाने पर अनावश्यक मुआवजे का बोझ डालने वाला कदम है। आपत्तिकर्ता ग्रामीणों का तर्क है कि यदि सड़क को पीडब्ल्यूडी की उपलब्ध भूमि से सीधा निकाला जाए तो न तो एस घुमाव बनेगा, न दुर्घटनाओं की आशंका रहेगी और न ही किसी काश्तकार की भूमि अवाप्त करनी पड़ेगी। इससे मार्ग करीब 500 मीटर तक छोटा होगा, बाणगंगा नदी पर प्रस्तावित पुलिया के साथ सीधा और सुरक्षित कॉरिडोर बनेगा तथा ग्राम भापुर की भूमि पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। वहीं ग्रामीणों का दावा है कि वर्तमान में संचालित मार्ग पीडब्ल्यूडी मानकों के अनुरूप है और उसे उसी स्थिति में चौड़ा किया जा सकता है।

साथ ही ग्रामीणों ने दी गई आपत्ति में बताया कि विधि विरुद्ध सर्वे के खिलाफ सिविल न्यायालय महवा में वाद दायर किया गया था, जिस पर न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी होने के बावजूद 28 नवंबर 2025 को गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया। आरोप है कि गजट में उन खसरा नंबरों को भी शामिल किया गया है, जिन पर न्यायालय का स्टे प्रभावी है, जो न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है। इतना ही नहीं, यह गजट न तो किसी स्थानीय अखबार में प्रकाशित कराया गया और न ही न्यायालय में संबंधित नक्शा पेश किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।आपत्तिकर्ता ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि एनएच-921 चौड़ीकरण के लिए नया, निष्पक्ष और नियमानुसार सर्वे कराया जाए, कठिन एस घुमाव को पूरी तरह समाप्त कर पीडब्ल्यूडी की उपलब्ध सरकारी भूमि से सीधा मार्ग निकाला जाए और न्यायालय के आदेशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए, ताकि विकास कार्य जनहित में हो और गांवों की आस्था, जमीन व भरोसे पर आघात न बने। इस मौके पर प्रवीण शर्मा, सांवलिया गुर्जर, मुकेश मीणा, नागेंद्र औघड़नाथ, छोटा सैनी, लख्मीचंद मीणा, चेतराम मीणा, अक्षय गुर्जर, सेवानिवृत्त उपजिला कलेक्टर भरतलाल (समलेटी), जीतेन्द्र नांगलोत, मनोज गौसिंहा, लाखन मीणा, यादराम, हरिराम, जगदीश मेंबर, राकेश (ठेकड़ा), महेन्द्र, कल्लू, संजय, सुरेश प्रजापत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

रेलवे की सेहतमंद पहल ज़मीन पर– मंडावर-महवा रेल्वे स्टेशन पर आयोजित हुआ स्वास्थ्य जांच शिविर

रेल्वे कर्मचारियों व यात्रियों को मिला त्वरित उपचार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर/आगरा।

मनोज खंडेलवाल । रेल मंडल ने यात्रियों और रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण अंचल में अपनी मानवीय और जिम्मेदार उपस्थिति दर्ज कराई। इसी क्रम में बुधवार को मंडावर-महवा रेलवे स्टेशन पर एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसने यह स्पष्ट किया कि रेल प्रशासन सेवाओं को केवल पटरी तक सीमित नहीं रखकर जनस्वास्थ्य तक विस्तार दे रहा है। शिविर में उप मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शोभा दयाल और चिकित्सक डॉ. सौरभ की उपस्थिति में आगरा मंडल की चिकित्सकीय टीम ने मौके पर ही स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। रेलवे कर्मचारियों, उनके परिजनों और यात्रा के दौरान स्टेशन पर मौजूद यात्रियों सहित कुल 34 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। चिकित्सकीय टीम ने जांच के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व को सरल और व्यवहारिक भाषा में समझाया। शिविर के दौरान मौसमी बीमारियों से बचाव, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों और दैनिक दिनचर्या में छोटे लेकिन प्रभावी सुधारों पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र के स्टेशन पर इस तरह की सुविधा मिलने से रेल कर्मचारियों और उनके परिवारजनों में संतोष और भरोसा दिखा, वहीं यात्रियों ने इसे यात्रा के दौरान मिला उपयोगी और मानवीय सहयोग बताया।

ईडी कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, मोदी-शाह का पुतला दहन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । नेशनल हेराल्ड प्रकरण में हाईकोर्ट द्वारा ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार किए जाने को कांग्रेस ने सत्य की जीत बताया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी शहर व देहात के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। कांग्रेसजन गांधी पार्क से म्यूजियम सर्किल होते हुए बीजेपी कार्यालय के सामने पुतला दहन के लिए रवाना हुए, लेकिन पन्नालाल बारूपाल की मूर्ति के पास पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक व खींचतान हुई। इसके बाद वहीं सड़क पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मोदी और शाह का पुतला दहन किया गया, जिससे माहौल गरमा गया। शहर जिलाध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल ने कहा कि माननीय अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेतृत्व सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को अवैध और दुर्भावना से ग्रसित पाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि ईडी का यह मामला क्षेत्राधिकार से बाहर है और बिना एफआईआर के दर्ज शिकायत को खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्य और संविधान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी और किसी भी तरह के दबाव से डरने वाली नहीं है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल ने कहा कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि सत्ता के दबाव में भी सत्य को पराजित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में पीएमएलए के तहत कोई अपराध बनता ही नहीं। यह पूरा मामला शुरू से ही राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित था, लेकिन अंततः सच की जीत हुई। उन्होंने कहा– 'सच परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।' श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा ने कहा कि कोर्ट द्वारा ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस का संज्ञान न लेना सत्य की जीत है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता। जिला संगठन महासचिव मार्शल प्रहलादसिंह ने बताया कि प्रदर्शन को यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भंवर कूकणा, महिला कांग्रेस की शशिकला राठौड़ व शांति बेनिवाल, प्रदेश महासचिव गजेन्द्र सांखला, महिला प्रदेश महासचिव नीरू चौधरी, निकाय प्रकोष्ठ अध्यक्ष हसन अली गौरी, एससी विभाग के पदाधिकारी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष चेतना डोटासरा सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया। पुतला दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग बंद नहीं हुआ तो पार्टी सड़कों पर संघर्ष को और तेज करेगी।

पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति में मंडावर के मनोज खंडेलवाल को बड़ी जिम्मेदारी, दौसा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर-दौसा।

पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति ऑल इंडिया के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सुमित कुमार बैरवा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद वर्मा की संस्तुति पर दौसा जिले के मंडावर निवासी वरिष्ठ पत्रकार मनोज खंडेलवाल को पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति रजि. राजस्थान का दौसा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। निर्भीक पत्रकारिता, सशक्त लेखनी और जमीनी सरोकारों के लिए पहचाने जाने वाले मनोज खंडेलवाल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन ने उनसे पत्रकार हितों की रक्षा, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े कार्यों को पूरी निष्ठा व प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने तथा संगठन को जिला स्तर पर सशक्त और विस्तारित करने की अपेक्षा जताई है।

प्रदेश अध्यक्ष सुमित कुमार बैरवा ने नियुक्ति के साथ स्पष्ट किया कि पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए सक्रिय, जिम्मेदार और क्षेत्र से जुड़े नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मनोज खंडेलवाल अपने अनुभव और कार्यशैली से संगठन के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारेंगे। अपनी नियुक्ति पर मनोज खंडेलवाल ने राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि सौंपे गए दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ करेंगे तथा संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पत्रकार हित में निरंतर कार्य करेंगे। नियुक्ति की घोषणा के बाद संगठन के पदाधिकारियों, सदस्यों और शुभचिंतकों की ओर से फोन कॉल, संदेश और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है।

बालिका आदर्श विद्या मंदिर में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम आयोजित, नारी शक्ति और पर्यावरण पर हुआ गहन मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय बालिका आदर्श विद्या मंदिर में बुधवार को 'सप्त शक्ति संगम' कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका तथा कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण के प्रति भारतीय दृष्टि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित विचार- विमर्श किया गया।

संस्था प्रधान विद्याधर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।सर्वप्रथम डॉ. दीपिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता मोदी विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनिधि मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन पर बल देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में परिवार और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा संतुलित जीवन का आधार हैं।इस अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्राओं ने भारतीय वीरांगनाओं के वेश में सजीव प्रस्तुति देते हुए देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं का पाठ किया। डॉ. निरूपमा उपाध्याय ने नारी शक्ति की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणादायी गीत भी प्रस्तुत किया। वहीं शुचिता शर्मा द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता महिलाओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम संयोजिका पुष्पा कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में कनिष्ठ अभियंता सुनीता कुमारी, जिला संयोजिका डॉ. दीपिका शर्मा, बालिका शिक्षा प्रमुख शुचिता शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनिधि मिश्रा, संजू ढाका सहित विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंत में अंजू अग्रवाल ने उपस्थितजनों को सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों का संकल्प दिलाकर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन खुशबू जोशी एवं सुनिता पारिक ने किया।

आंतरोली में आयोजित जरपाल दिवस में 3 ग्रेनेडियर के पूर्व सैनिक हुए शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

आंतरोली में मंगलवार को जरपाल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन 1971 भारत-पाक युद्ध में भारत की ऐतिहासिक विजय को समर्पित रहा। कार्यक्रम में 3 ग्रेनेडियर रेजिमेंट के पूर्व सैनिक शामिल हुए।

यह जानकारी देते हुए आयोजन समिति के रामप्रसाद लमोरिया ने बताया कि पूर्व सैनिकों ने 1971 के भारत-पाक युद्ध की यादों को साझा करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान शहीद जवानों की वीरगाथाओं को याद किया गया और देश की एकता-सुरक्षा के लिए उनके योगदान को नमन किया गया।आयोजन समिति के रामप्रसाद लमोरिया ने बताया कि इस अवसर पर बटालियन के सबसे वरिष्ठ पूर्व सैनिक सी एच एम जगदीश प्रसाद का माला और साफा पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर कर्नल जितेंद्र कुमार शौर्य चक्र, कैप्टन बजरंग लाल बुरडक, कैप्टन विद्याधर सिंह, सूबेदार गिरधारी लाल कटारिया, सूबेदार नवरंग सिंह, सूबेदार बाबूलाल सुंडा, सूबेदार धन्नाराम ढाका सहित बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक उपस्थित रहे ।

चूरू कलेक्टर ने बंदियों से पूछी भोजन की गुणवत्ता

जिला कारागृह प्रशासन को सुरक्षा में कोई ढिलाई न बरतने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को जिला कारागृह का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुराणा ने बंदियों से भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय की उपलब्धता, मुलाकात व्यवस्था और कानूनी सहायता के संबंध में फीडबैक लिया। बंदियों ने सभी व्यवस्थाओं को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। निरीक्षण के दौरान, जिला कलेक्टर ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी व्यवस्थाओं का समुचित संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से कारागृह की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने पर जोर दिया। सुराणा ने जेल में संचालित पुस्तकालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों से बातचीत करते हुए उन्हें पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अच्छी पुस्तकों का अध्ययन बंदियों के जीवन की दिशा बदलने में सहायक हो सकता है। जिला कलेक्टर ने मुलाकात कक्ष, कार्यालय, महिला व पुरुष बैरक, बंदियों के लिए बन रहे भोजन और रसोईघर सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से उनके मामलों में नियुक्त अधिवक्ताओं और हो रही पैरवी के संबंध में भी चर्चा की।

नशा मुक्त हरियाणा व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अधिक से अधिक करें भागीदारी- गायत्री

सीजेएम गायत्री ने एडीआर सेंटर में फतेहाबाद खंड के सरपंचों, पंचों व ग्राम सचिवों के साथ की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद,

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देश पर जिला फतेहाबाद में नशा मुक्त हरियाणा मिशन व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को गति देने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा 7 दिसंबर से 7 जनवरी 2026 तक चलने वाले इस नशा मुक्त हरियाणा मिशन के तहत जागरूकता अभियान के माध्यम से आमजन विशेष कर युवाओं को नशे के जानलेवा खतरों से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। अभियान की ओर अधिक गति देने के लिए जिला एडीआर सेंटर में फतेहाबाद खंड के सरपंचों, पंचों व ग्राम सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने की। उन्होंने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को नशे के खतरे, इसके दीर्घकालिक दुष्प्रभाव और एनडीपीएस अधिनियम के कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य नशे की गिरफ्त में आ चुके युवाओं को मुख्य धारा से जोडना है। ऐसे में उन्हें जिले में उपलब्ध पुनर्वास सेवाओं के बारे में भी विस्तार से बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस व्यापक अभियान का उद्देश्य एक सशक्त जन आंदोलन का रूप देना है। समाज को प्रेरित करने के लिए उन नागरिकों की सकारात्मक कहानियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा जिन्होंने नशा छोड़कर एक नया जीवन शुरू किया है। उन्होंने बताया कि गांव से लेकर शिक्षण संस्थानों तक जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने अभियान को सफल बनाने के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है। इसके तहत विभिन्न गांवों के विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह रैलियां, प्रतियोगिताएं और कानूनी साक्षरता सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। सीजेएम गायत्री ने बैठक में आए हुए सरपंचों, पंचों व ग्राम सचिवों से आग्रह करते हुए कहा कि इस नशा मुक्ति हरियाणा व बाल विवाह मुक्त भारत के जन आंदोलन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक सहयोग करें एवं अधिक से अधिक सामाजिक संस्थाओं एवं पंचायत के सहयोग से नशे के खिलाफ व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लें। इस कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता कमलेश वशिष्ठ ने नशे के दुष्परिणाम तथा एनडीपीएस एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की तथा महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने बाल विवाह से संबंधित कानून व बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान की। बैठक में एसईसीपो इंद्रपाल सिंह, महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल, पैनल अधिवक्ता कमलेश वशिष्ठ व फतेहाबाद खंड के गांवों से आए हुए पंच, सरपंच व ग्राम सचिव मौजूद रहे।

तिरुपति में मुंडन सेवा के लिए कारोबारी ने 1 करोड़ 20 लाख के हाफ ब्लेड दान किए

हैदराबाद (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को एक खास दान प्राप्त हुआ। हैदराबाद के एक बिजनेसमैन बी श्रीधर ने मंदिर की मुंडन रस्मों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। बिजनेसमैन श्रीधर ने कल्याणकट्टों (मुंडन केंद्रों) की सालाना जरूरत को पूरा करने के लिए काफी संख्या में हाफ ब्लेड दान कर दिए है। जिनकी कीमत 1.2 करोड़ रुपए के करीब है। मीडया रिपोर्ट में बताया, बिजनेसमैन बी श्रीधर ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को 1.2 करोड़ रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि मंदिर संस्था हर साल भक्तों के बाल मुंडवाने के लिए इस्तेमाल होने वाले ब्लेड पर करीब 1.1 करोड़ रुपए खर्च करती है, जो भगवान को अपने बाल चढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणकट्टों में रोजाना करीब 40 हजार हाफ ब्लेड इस्तेमाल होते हैं और श्रीधर के दान से मंदिर की पूरे साल की जरूरत पूरी होगी। बता दें कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है, जो विश्व का सबसे धनी हिंदू मंदिर है। इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर बाल दान करते हैं, जिसे मुंडन सेवा कहा जाता है।

भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रुप में काम कर रही -सीएम शर्मा

बीकानेर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रूप में काम कर रही है। सीएम शर्मा बीकानेर के लूणकरणसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारा नैतिक दायित्व है कि हम सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखें। हमारी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट दिया और हर विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ के माध्यम से विकास कार्यों का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचा रही है।'

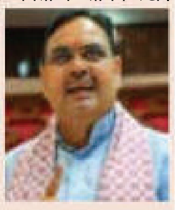

उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने दो साल में राज्य में सुशासन, जनकल्याण और चहुंमुखी विकास के लिए इ इसतरह के अभूतपूर्व कदम उठाए हैं, जो ऐतिहासिक होने के साथ ही समृद्ध एवं विकसित राजस्थान की एक सशक्त बुनियाद भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसान, युवा, महिला और गरीब के उत्थान के लिए कईकदम उठाए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा ने 612 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं 107 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने बीकानेर की जिला विकास पुस्तिका, ग्रामीण सेवा शिविर की सफलता की कहानी तथा 'शहरी सेवा शिविर-2025 पुस्तिका का विमोचन भी किया।

श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल, सोशल मीडिया पर वायरल अंदर की तस्वीरें

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था फिर सवाल उठ गए है। सोशल मीडिया पर फिर श्रीजगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल हो गई है। बताया जा रहा है कि एक इंटरनेट मीडिया आईडी से रत्नसिंहासन पर विराजमान महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की तस्वीरें साझा की गई हैं। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि फोटों को अत्यंत नजदीक से लिया गया हैं। हैरानी की बात यह है कि कड़ी जांच व्यवस्था के बावजूद मोबाइल फोन मंदिर परिसर के भीतर कैसे पहुंचा, इस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वायरल तस्वीरों के साथ संबंधित व्यक्ति ने पूरी मंदिर के बाहर अपनी तस्वीरें भी अपलोड की हैं। कुछ दिनों के अंतराल के बाद एक बार फिर श्री जगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल होने से मंदिर प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह मामला न केवल आस्था, बल्कि मंदिर की सुरक्षा में बड़ी चूक की ओर भी इशारा करता है। जिला प्रशासन से मांग की जा रही है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शीतकालीन सत्र में बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

चंढीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा में गुरुवार से शुरू हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। शीतकालीन सत्र में कांग्रेस द्वारा बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। पूर्व सीएम एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में हुड्डा ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने हरियाणा में 'वोटों की चोरी' करके सरकार बनाई है। कांग्रेस नेता हुड्डा ने दावा किया कि सत्ता हासिल करने के लिए बीजेपी ने चुनाव से पहले अवैध प्रलोभन देने और एक ही व्यक्ति के लिए कई वोट बनाने जैसे हथकंडों का सहारा लिया। इसलिए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा और उसके गलत कामों का सदन में पर्दाफाश किया जाएगा।

गौरव गोगोई ने अटकलों को दिया विराम कहा- एआईयूडीएफ के साथ कांग्रेस नहीं करेगी गठबंधन

गोवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने उन तमाम अटकलों को विराम दे दिया, जिसके तहत कहा जा रहा था कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और एआईयूडीएफ गठबंधन करेगी। इस पर गोगोई ने स्पष्ट इनकार करते हुए कहा कि कांग्रेस इस तरह का कोई गठबंधन नहीं करेगी।उन्होंने एआईयूडीएफ को सांप्रदायिक संगठन बताया और कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। पहले ही, आठ विपक्षी दलों ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को हराने के लिए अगले साल के विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। गोगोई ने यहां पत्रकारों से कहा, ''किसी भी परिस्थिति में एआईयूडीएफ के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। गोगोई ने दावा किया, भाजपा पहले ही देख चुकी है कि मौजूदा नेतृत्व में उसके भविष्य की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं हैं। शीर्ष नेतृत्व को इस बात का एहसास है कि भाजपा के सच्चे कार्यकर्ता पार्टी से निराश हो रहे हैं।

यदुवंशी सोहली में 'यदुराइज' गतिविधियों का आयोजन, विद्यार्थियों को कैश प्राइज वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन, सोहली में रविवार को विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से यदुराइज गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कक्षा एल.के.जी. से प्रथम तक सोलो डांस प्रतियोगिता, कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक ड्राइंग प्रतियोगिता, कक्षा दूसरी से तीसरी तक कविता पाठ प्रतियोगिता तथा कक्षा चौथी से पांचवीं तक हिंदी व अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को उपस्थित अभिभावकों व शिक्षकों ने सराहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अध्यापक दलबीर सिंह एवं गेस्ट ऑफ ऑनर प्रियंका द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के समापन पर बाहर से आए विजेता विद्यार्थियों को कैश प्राइज, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय के विजेता विद्यार्थियों को भी कैश प्राइज व प्रमाण-पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के पूर्व विद्यार्थी एवं वर्तमान में एसडीओ पद पर कार्यरत शिशुपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम व नियमित अध्ययन के माध्यम से ऊंचे मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य मोहिन्दर कुमार ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए इस तरह की गतिविधियां अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए निरंतर प्रगति करते रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य कर्मवीर यादव, विद्यालय के प्राचार्य राकेश कुमार सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना 153वें दिन भी जारी, खेजड़ी संरक्षण की मांग तेज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । पर्यावरण संघर्ष समिति के तत्वावधान में चल रहा धरना बुधवार को 153वें दिन भी लगातार जारी रहा। वहीं खेजड़ला रोही नोखा दईया में चल रहे धरने को आज 518वां दिन पूर्ण हो गया। धरनास्थल पर पर्यावरण संरक्षण और राज्य वृक्ष खेजड़ी को बचाने की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई गई।धरने को संबोधित करते हुए इंजीनियर मुरारी लाल शर्मा ने कहा कि सरकार को खेजड़ी कटाई पर तत्काल रोक लगानी चाहिए तथा राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण के लिए सख्त ट्री प्रोटेक्शन एक्ट लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेजड़ी रेगिस्तान की जीवनरेखा है और इसके संरक्षण से ही पर्यावरण संतुलन एवं मौसम चक्र को बिगड़ने से रोका जा सकता है। इस अवसर पर राजस्थान के सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स ने अरुण कुमार वैध के नेतृत्व में धरने पर पहुंचकर समर्थन व्यक्त किया। सेवानिवृत्त अभियंताओं ने कहा कि विश्व बैंक से कर्ज लेकर रेगिस्तान में बड़ी कठिनाइयों के बाद नहर लाई गई थी। इस दौरान सैकड़ों इंजीनियर्स और श्रमिकों ने भीषण गर्मी और प्यास के कारण अपने प्राण गंवाए थे। तब जाकर मरुस्थल को सिंचाई सुविधा मिली, लेकिन आज उन्हीं सिंचित जमीनों पर सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं, जिससे प्रतीत होता है कि हमारे साथियों का बलिदान व्यर्थ चला गया। उन्होंने इसे वर्तमान सरकार का अदूरदर्शी कदम बताया।धरने में शामिल अभियंता साथियों में लालचंद लुहनीवाल, हरीश लेघा, ओमप्रकाश बिशनोई, सैयद कासम अली, रेखाराम जाट, ए.पी. शर्मा, सी.एल. चौहान, अमर सिंह, नरेंद्र कुमार, शांति गोपाल, चंद्रशेखर, हापूदास वैष्णव, अशोक मतड़, मनीराम बेनीवाल, आनंद चोबदार, गोविंद लाल गौड़, करण सिंह गोदारा, राजेंद्र पचोरी, हरजिंदर सिंह, लक्ष्मीकांत पांडिया, शशि शेखर, सत्यनारायण धवल, ओमवीर सिंह, फकीर चंद, तुलसीराम शर्मा, संतोष गुप्ता, रामेश्वर जाट सहित अनेक सेवानिवृत्त अभियंता उपस्थित रहें। बुधवार धरने पर बैठे साथियों में रामगोपाल बिशनोई, पर्यावरणविद सज्जन कुमार बेनीवाल, महीराम दिलोईया, मोहनलाल रेण, कुम्भाराम मेघवाल, ताहिर खान, रामप्रताप वर्मा, गंगाबिशन सियाग, कॉमरेड मूलचंद खत्री, रामदेव मेघवाल, मोखराम धायल, बुधराम सीगड़, बुधराम सियाग, पूनमराम रिख, महेन्द्र भादू, हनुमान काकड़, सत्यनारायण कुलड़िया, हनुमानाराम बेनीवाल, हेतराम बिशनोई, मालचंद जोशी, रविदास बौद्ध, सरदार दरबारा सिंह, पट्टू प्रेमरतन जोशी, प्रेम महरिया, सरजू गहलोत, डॉ. रामेश्वरलाल बिशनोई, सांवरलाल भादू, रिछपाल सीगड़, गोपीचंद धायल व बस्तीराम बिशनोई सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे। धरनास्थल पर वक्ताओं ने चेतावनी दी कि जब तक खेजड़ी कटाई पर रोक और प्रभावी कानून नहीं बनेगा, आंदोलन जारी रहेगा।

गोल्ड जीतकर गांव लौटे साहिल, गणेशपुरा में हुआ भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.न्यूज़. खेतड़ी।

खेतड़ी उपखंड के हरियाणा सीमावर्ती गांव गणेशपुरा के होनहार पावरलिफ्टर कुमार साहिल के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर गांव लौटने पर क्षेत्र में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। कजाकिस्तान के अल्माटी शहर में आयोजित ओपन यूरोपियन कप (यूरोपियन स्ट्रांग जेनरेशन-5) में जूनियर वर्ग (20-23 वर्ष) के 75 किलोग्राम भार वर्ग में सिंगल लिफ्ट बेंच प्रेस (सॉफ्ट इक्विप्ड) स्पर्धा में प्रथम स्थान हासिल कर साहिल ने देश का नाम रोशन किया। स्वर्ण पदक जीतने के बाद जब साहिल हरियाणा के नारनौल से अपने पैतृक गांव गणेशपुरा पहुंचे, तो रास्ते भर जगह-जगह उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। ग्रामीणों, युवाओं और खेल प्रेमियों ने फूल-मालाओं से लादकर साहिल का अभिनंदन किया और देशभक्ति नारों के साथ विजय जुलूस निकाला। गणेशपुरा पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों के साथ साहिल का स्वागत किया। बुजुर्गों ने आशीर्वाद दिया तो युवाओं ने साहिल को अपनी प्रेरणा बताया। वक्ताओं ने कहा कि साहिल की सफलता यह साबित करती है कि यदि इरादे मजबूत हों तो संसाधनों की कमी भी रास्ता नहीं रोक सकती।

पहले भी जीत चुके हैं अंतरराष्ट्रीय पदक

उल्लेखनीय है कि साहिल इससे पहले नवंबर 2024 में रूस के मास्को में आयोजित WRPF वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके हैं। उस समय भी क्षेत्रवासियों द्वारा उनका सम्मान किया गया था और नारनौल से गणेशपुरा तक रोड शो निकाला गया था।

युवाओं के लिए बने प्रेरणा स्रोत

साहिल की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि भविष्य में और भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें।

सीएल फार्म हाउस, नारनौल में हुआ सम्मान

साहिल के सम्मान में सीएल फार्म हाउस, नारनौल में विशेष स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने साहिल की कड़ी मेहनत, अनुशासन और संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मंच पर गोल्ड जीतना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। स्वागत कार्यक्रम में सत्यव्रक्ष शास्त्री, विनोद भील, डॉ. अभयसिंह यादव (पूर्व मंत्री), केन्द्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा के प्रिंसिपल ओपी यादव, ओएसिस इंटरनेशनल स्कूल नारनौल के प्राचार्य ओपी यादव, डायरेक्टर सतीश यादव, उदयभान बलावा, योगेन्द्र, कैप्टन बाबुलाल (गणेशपुरा), अमरसिंह, सूबेदार माहराराम, सुरेश गुरूजी, पहलाद सिंह, धर्मपाल, राजेश नांगलिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

कुम्हार समाज प्रतिभा सम्मान समारोह 27 दिसंबर को रविंद्र रंगमंच में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कुम्हार समाज की प्रतिभाशाली विभूतियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से श्री कुम्हार महासभा के तत्वावधान में भव्य 'समाज प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी महावीर जालप ने जानकारी देते हुए बताया कि यह समारोह आगामी 27 दिसंबर को प्रात: 10 बजे रविंद्र रंगमंच, बीकानेर में आयोजित होगा। समारोह अध्यक्ष त्रिलोक चंद गेधर ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं, सरकारी सेवाओं में चयनित सामाजिक बंधुओं तथा खेल, कला, साहित्य एवं अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर सम्मानित करना है, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से समाज का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के संरक्षक मूलचंद बोरावड़ रहेंगे। समारोह में सम्मान वितरण के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं प्रेरणादायक उद्बोधन भी आयोजित किए जाएंगे। शिक्षा, मेडिकल और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सभी प्रतिभाओं को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।लक्ष्मण गुरिया एवं जेठाराम जालप ने बताया कि यह सम्मान समारोह समाज की युवा पीढ़ी को उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस प्रेरणादायक आयोजन में सहभागिता करने की अपील की।आयोजन समिति ने बताया कि सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं की अंतिम सूची चयन समिति द्वारा अंतिम रूप दी जा रही है। समारोह में सभी सम्मानित प्रतिभाओं के अभिभावकों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों को सादर आमंत्रित किया गया है।

KCC प्रोजेक्ट का 39वें खान सुरक्षा सप्ताह में शानदार प्रदर्शन:मशीनरी, मेंटिनेंस और ऑपरेशन ऑफ वाइंडर श्रेणी में प्रथम सहित छह पुरस्कार जीते

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ीनगर के हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCL) की खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स (KCC) इकाई ने 39वें खान सुरक्षा सप्ताह में शानदार प्रदर्शन किया। केसीसी ने कुल छह पुरस्कार जीते, जिसमें प्लांट, मशीनरी, मेंटिनेंस और ऑपरेशन ऑफ वाइंडर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार शामिल है।

विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

यह खान सुरक्षा सप्ताह खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) अजमेर क्षेत्र-1 एवं क्षेत्र-2 के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। बरसिंगसर लिग्नाइट माइन, एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने इसकी मेजबानी की। सप्ताह के अंतिम दिन आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉनक्लेव का करेंगे शुभारंभ

हरित अर्थव्यवस्था पर आधारित प्रदर्शनी का करेंगे उद्घाटन

'मेरी लाइफ-सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरमेंट' पोस्टर का करेंगे विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार का दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) द्वारा हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉनक्लेव का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री शर्मा गुरुवार (18 दिसंबर) को जयपुर स्थित होटल मैरियट में इस कॉनक्लेव का शुभारंभ करेंगे।

सीएम शर्मा हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉनक्लेव में राजस्थान की हरित अर्थव्यवस्था पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन व 'मेरी लाइफ-सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरमेंट' पोस्टर का विमोचन करेंगे। इस दौरान संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री श्री जोगाराम पटेल, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा, मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन श्री आनंद कुमार व राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष श्री आलोक गुप्ता उपस्थित रहेंगे।

आरएसपीसीबी ने प्रदूषण नियंत्रण एवं ईज ऑफ डूइंग के लिए किए उत्कृष्ट कार्य मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने गत दो वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण एवं ईज ऑफ डूइंग के लिए विभिन्न उत्कृष्ट कार्य किए हैं।

- उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सम्मति संचालन तंत्र में ऑटो-रिन्यूअल सुविधा की शुरूआत।
- वायु प्रदूषण नियंत्रण और गुणवत्ता सुधार हेतु 50 नगरीय क्षेत्रों में वाटर स्प्रिंकलर/मैकेनिकल स्वीपर और वृक्षारोपण हेतु 13.50 करोड़ रुपये की राशि एलएसजी (स्थानीय स्वशासन विभाग) को दी गई।
- केंद्रीय प्रयोगशाला (219 अतिरिक्त पैरामीटरों के लिए) और सभी 14 क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को एनएबीएल मान्यता प्राप्त हुई।
- जयपुर शहर के लिए वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान हेतु प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (अर्ली वॉर्निंग सिस्टम) विकसित की गई।
- 50 आईओटी प्लास्टिक बोतल फ्लेकिंग मशीन/रिवर्स वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई।
- जयपुर और जोधपुर में दो नए क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित कर क्रियाशील किए गए।

बॉन्डी बीच पर हमला करने वाला साजिद हैदराबाद का रहने वाला

-तेलंगाना पुलिस ने किया खुलासा, रोजगार की तलाश में चला गया था आस्ट्रेलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के हनुक्का कार्यक्रम में हुए आतंकी हमले ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस हमले में 15 लोगों की मौत और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। भारत से लेकर ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस तक कई एजेंसियां इस आतंकी साजिश के तार खंगालने में जुटी हैं। शुरुआती रिपोर्ट्स में हमलावरों को पाकिस्तानी मूल का बताया था, लेकिन भारत के तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम मूल रूप से हैदराबाद का रहने वाला था और उसने वहीं से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की थी।

वर्ष 1998 में रोजगार की तलाश में ऑस्ट्रेलिया चला गया था और बीते करीब 27 सालों से उसका भारत से कोई संबंध नहीं रहा। पुलिस के मुताबिक साजिद ने इस दौरान केवल छह बार भारत आया यहां तक कि पिता के निधन के समय भी वह भारत नहीं आया। तेलंगाना पुलिस ने साफ किया है कि इस हमले के पीछे भारत या तेलंगाना से जुड़ा कोई स्थानीय लिंक नहीं है और कट्टरपंथी विचारधारा के सूत्र विदेश में ही विकसित हुए हैं।

तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम के पास अब भी भारतीय पासपोर्ट था, लेकिन भारत से उसका रिश्ता सीमित था। पुलिस के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद वह केवल छह बार ही भारत आया और वह भी मुख्य रूप से संपत्ति से जुड़े कामों या बुजुर्ग माता-पिता से मिलने के लिए। ऑस्ट्रेलिया में बसने के बाद साजिद ने यूरोपीय मूल की महिला वेनेरा ग्रोसो से शादी की। उनके दो बच्चे हुए, जिसमें एक बेटा नावेद अकरम और एक बेटी है। दोनों बच्चे ऑस्ट्रेलिया में जन्मे और ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं।

बता दें 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए आतंकी हमले में साजिद और उसके बेटे नावेद अकरम ने गोलीबारी की। इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई और 42 से ज्यादा लोग घायल हुए। पुलिस मुठभेड़ में साजिद मारा गया, जबकि नावेद गंभीर रूप से घायल अवस्था में पुलिस हिरासत में है। जांच में सामने आया है कि हमले से कुछ हफ्ते पहले साजिद और नावेद फिलीपींस गए थे। वे 1 नवंबर 2025 को सिडनी से फिलीपींस पहुंचे और 28 नवंबर को वापस लौटे। उन्होंने मिंडानाओ के दावाओ क्षेत्र की यात्रा की थी, जो पहले आईएस से जुड़े आतंकी नेटवर्क के लिए जाना जाता रहा है। बॉन्डी बीच हमला ऑस्ट्रेलिया में पिछले करीब 30 सालों का सबसे बड़ा और सबसे घातक हमला माना जा रहा है।

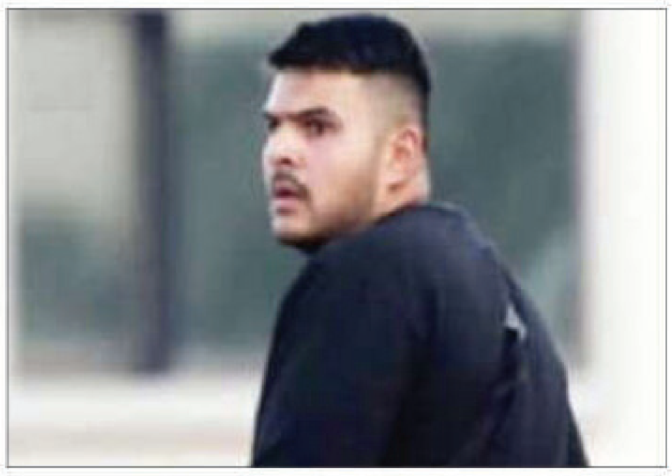

आईसीसी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास, टी20आई क्रिकेट में यह रिकॉर्ड बनाने वाले बने पहले भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है और अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में लगातार तीसरी बार दो विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज ने 818 अंकों का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रेटिंग स्कोर बनाया है। दाएं हाथ के लेग स्पिनर ने श्रृंखला के पहले तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, जिनमें धर्मशाला में खेले गए तीसरे भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवरों में 2/11 के उनके प्रभावशाली आंकड़े शामिल हैं, जिन्होंने भारत की सात विकेट की शानदार जीत में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 818 रेटिंग अंकों के साथ, चक्रवर्ती अब दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) से 119 अंकों की बढ़त पर हैं। 34 वर्षीय चक्रवर्ती टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। यह खबर भारत के लिए समय पर आई है, क्योंकि वेस्ट इंडीज में पिछले साल जीती गई आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की उपाधि का बचाव करने में दो महीने से भी कम समय बचा है। चक्रवर्ती से उम्मीद की जा रही है कि वे लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की दौड़ में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में भी कई सुधार देखने को मिले हैं। मार्को जानसेन 14 पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर, लुंगी एनगिडी 11 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ओटनील बार्टमैन शीर्ष 100 से बाहर से छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के दो बल्लेबाज शीर्ष पांच में शामिल हैं। तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन शानदार पारियों के बाद दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी आरामदायक बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और क्विंटन डी कॉक ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। मार्करम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि डी कॉक हाल के कुछ उत्साहजनक प्रदर्शनों के बाद 14 पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर आ गए हैं।

'मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद', आईपीएल ऑक्शन में चुने जाने के बाद पहली बार बोले सरफराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया।

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, 'मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।' मध्यक्रम के इस आक्रामक बल्लेबाज ने पिछली बार 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच खेला था। इसके बाद के दो सत्र में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला।

सरफराज का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अभी मुश्किल में है क्योंकि घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वह अतीत में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेल चुके हैं। सरफराज ने 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल में पदार्पण किया था।

यह दाएं हाथ का बल्लेबाज इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में रहा है जिसमें उन्होंने 82.25 की औसत और 204.34 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक भी शामिल है। सरफराज ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 37.10 की औसत और 74.94 के स्ट्राइक रेट से 371 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 150 है।

आईपीएल में सबसे महंगे बिके कैमरून ग्रीन एशेज में शून्य पर आउट हुए

एडीलेड (एजेंसी)। आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिके ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये। ग्रीन को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपने शिकार बनाया। तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी शुरु की पर उसके बल्लेबाज विफल रहे। पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए ग्रीन केवल दो गेंद ही खेल पाये थे कि आर्चर की गेंद पर कैच हो गये। इस प्रकार ग्रीन का शून्य पर आउट होना प्रशंसकों के बीच चर्चा का मामला बन गया। आईपीएल नीलामी में मोटी रकम पाने के बाद प्रशंसकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, इसी कारण उन्हें अधिक निराशा हुई।

ग्रीन को गत दिवस हुई नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। ग्रीन को लेकर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में जमकर बोली लगी थी। सीएसके ने 25 करोड़ रुपये तक बोली लगाई थी पर अंत में केकेआर को सफलता मिली। केकेआर ने नीलामी के बाद एक वीडियो भी जारी किया। इसमें ग्रीन ने कहा, 'मैं इस साल आईपीएल में कोलकाता का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, ईडन गार्डन्स में खेलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है। वहां के माहौल में ढलने का और उम्मीद है कि यह साल हमारे लिए बेहतरीन रहेगा।'

ग्रीन के टीम में आने से केकेआर की टीम को एक बेहतरीन ऑलराउंडर मिला है। इसका कारण है कि ग्रीन गेंद और बल्ले दोनो से ही बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इस ऑलराउंडर ने साल 2023 और 2024 के आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए 29 मैचों में 41.58 की औसत से 707 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाये और उनका स्ट्राइक रेट 153 से ज्यादा रहा। वहीं 16 विकेट भी लिए।

आईपीएल 2026: सीएसके फैंस के लिए झटका, धोनी के संन्यास पर पूर्व खिलाड़ी का बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएसके बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि एमएस धोनी के आईपीएल करियर को लेकर अब स्थिति काफी हद तक साफ हो चुकी है। उनके अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स पिछले कुछ सीजन से ट्रांजिशन मोड में है और यह प्रक्रिया अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे आगे बढ़ी है। उथप्पा ने कहा कि टीम का मौजूदा संतुलन और फैसले साफ संकेत देते हैं कि अब धोनी के लिए आगे बढ़ने का सही समय आ गया है।

कप्तानी की जिम्मेदारी रुतुराज की ओर

उथप्पा ने यह भी बताया कि जब से कप्तानी दोबारा धोनी के हाथ में आई, तब से हर सीजन नेतृत्व की जिम्मेदारियां रुतुराज गायकवाड़ की ओर शिफ्ट होती दिखीं। टीम मैनेजमेंट ने रुतुराज को लंबे समय का कप्तान मानते हुए धीरे-धीरे फैसलों में शामिल करना शुरू किया। इससे साफ है कि सीएसके भविष्य को ध्यान में रखकर नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी कर चुकी है।

संजू सैमसन की एंट्री और उत्तराधिकार योजना

आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन को ट्रेड कर सीएसके में लाना भी इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। उथप्पा के मुताबिक, सैमसन न सिर्फ टॉप ऑर्डर को मजबूती देंगे, बल्कि धोनी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए भी एक मजबूत विकल्प हैं। यह फैसला बताता है कि टीम धोनी के बाद की संरचना पर गंभीरता से काम कर रही है।

युवाओं पर भरोसा, भविष्य की नींव

सीएसके ने आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन में युवाओं पर बड़ा दांव खेला। अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर भारी रकम खर्च कर टीम ने साफ कर दिया कि वह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत कोर तैयार करना चाहती है। इसके अलावा नूर अहमद और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा भी इसी रणनीति का हिस्सा है।

मेंटर के रूप में धोनी की संभावित भूमिका

उथप्पा का मानना है कि भले ही धोनी मैदान से दूरी बना लें, लेकिन उनका सीएसके से जुड़ाव खत्म नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिए कि धोनी भविष्य में मेंटर-कम-प्लेयर या केवल मेंटर की भूमिका में टीम के साथ रह सकते हैं। इससे सीएसके को अनुभव और मार्गदर्शन मिलता रहेगा, जबकि टीम नई पीढ़ी के साथ आगे बढ़ती रहेगी।

शुभमन गिल की सीधी गेंदों को ना खेल पाने की कमजोरी चिंता का सबब : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने बुधवार को कहा कि सीधी गेंदों को नहीं खेल पाने की शुभमन गिल की कमजोरी चिंता का सबब है। गिल दक्षिण

अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के तीन मैचों में 32 रन ही बना सके हैं। जियोस्टार पर गेम प्लान कार्यक्रम में बांगड़ ने कहा कि आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर गिल सहज लग रहे हैं लेकिन सीधी गेंदों को नहीं खेल पा रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'शुरूआत में उसका फुटवर्क काफी सकारात्मक था लेकिन 28 से ज्यादा मैचों में अगर तीन या चार बाउंड्री निकाल दें तो सीधी गेंदों को वह नहीं खेल पा रहा है। सीधी गेंदों के सामने उसका स्ट्राइक रेट बहुत खराब है।' उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह काफी आक्रामक सोच के साथ खेलता है। उसमें गेंद को पीटने की क्षमता है, खासकर कवर्स के ऊपर से जो खास कौशल है।' बांगड़ ने हार्दिक पंड्या के हरफनमौला योगदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से टीम को संतुलन मिलता है।'

अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अशोक शर्मा बने सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

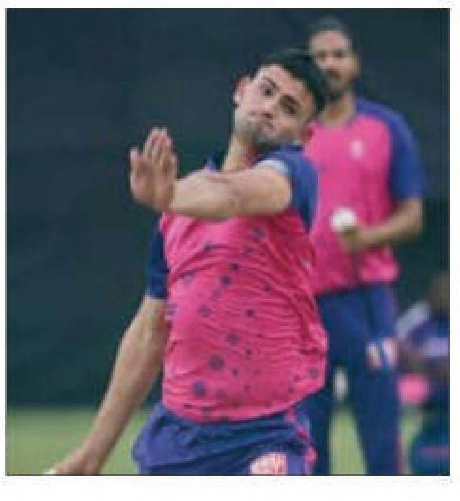

नई दिल्ली। राजस्थान की टीम के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने मुम्बई के खिलाफ मैच में अथर्व अंकोलेकर का विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अशोक के अब 22 विकेट हो गये हैं और उन्होंने बड़ौदा के लुकमान मेरीवाला का 21 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अशोक ने जैसे ही 22 वां विकेट लिया। वैसे ही उनके विकेटों की संख्या इस सत्र में सबसे अधिक 22 पहुंच गई। इससे ज्यादा विकेट किसी भी गेंदबाज ने इस टूर्नामेंट के करीब 20 साल के इतिहास में नहीं लिए थे। इससे पहले ये रिकार्ड 21 विकेट के साथह ही बड़ौदा के तेज गेंदबाज लुकमान मेरीवाला के नाम था। मेरीवाला ने साल 2013-14 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में घातक गेंदबाजी की थी और कुल 21 विकेट निकाले थे। वहीं अब वह दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं। 10 मैचों में अशोक ने 22 विकेट निकाले हैं। दो बार उन्होंने 4 विकेट भी लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे अंशुल कंबोज ने 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

पंजाब किंग्स ने इन चार खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा, कप्तान श्रेयस अय्यर ने कह दी ये बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी नीलामी में चार महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को खरीदकर आगामी सीजन के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम पूरी कर ली है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नीलामी में पीबीकेएस ने दो अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली को 3 करोड़ रुपये में खरीदकर अपने खाते की शुरुआत की। मध्य क्रम में लचीलापन प्रदान करने में सक्षम उभरते सितारे कॉनॉली एक विश्वसनीय धीमी गति की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी का विकल्प भी प्रदान करते हैं।

कॉनॉली को टीम में शामिल करने के पीछे की सोच के बारे में बात करते हुए, कप्तान श्रेयस अय्यर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में उनका सामना किया है, ने कहाः 'सच कहूं तो, शुरुआत में वह हमारे दिमाग में नहीं थे, लेकिन जैसे-जैसे हमने विचार-विमर्श किया और विकल्पों को सीमित किया, हमें एहसास हुआ कि वह इस पोजीशन के लिए बिल्कुल सही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका स्वभाव शानदार है और उनमें मैच को फिनिश करने की क्षमता है। आईपीएल में ये खूबियां बहुत मायने रखती हैं। हालांकि, हमने सोचा नहीं था कि हम उन्हें 3 करोड़ में खरीद पाएंगे, हमने तो उनकी कीमत इससे कहीं ज्यादा होने का अनुमान लगाया था।'

इसके तुरंत बाद, नीलामी में टीम की सबसे ऊंची बोली लगी, जब बेन ड्वार्शियस को 4.40 करोड़ रुपये में खरीदा गया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और निचले क्रम के उपयोगी स्ट्राइकर ड्वार्शियस गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देते हैं और डेथ ओवरों में घातक पावर-हिटिंग का विकल्प प्रदान करते हैं। प्रवीण दुबे को उनकी बेस प्राइस 1 लाख रुपये में फिर से टीम में शामिल किया गया और वह किंग्स की टीम में लौट आए। दुबे युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बराड़ की मौजूदा जोड़ी के पूरक के रूप में भारतीय स्पिन गेंदबाजी का महत्वपूर्ण बैकअप प्रदान करते हैं।

घरेलू टीम को और मजबूत करने के लिए, होनहार युवा प्रतिभा विशाल निषाद पीबीकेएस टीम में शामिल हो गए हैं और उन्हें 30 लाख रुपये की उनकी बेस प्राइस पर साइन किया गया है। किंग्स ने 11.5 करोड़ रुपये के बजट के साथ नीलामी में प्रवेश किया, जिसमें से उन्होंने 8 करोड़ रुपये खर्च कर दिए और दो विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को खरीद लिया।

मसूद नहीं संभालेंगे कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स पद

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दिये कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स के पद को ठुकरा दिया है। मसूद को पीसीबी ने इस पद का प्रस्ताव दिया था पर वह इसे संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। मसूद के अनुसार इससे वह राष्ट्रीय टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा सकेंगे।

पिछले माह पीसीबी ने मसूद को यह पद इस आश्वासन के साथ दिया था कि क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्हें डायरेक्टर का स्थायी पद मिलेगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने इस प्रकार का प्रस्तान दिया है। वहीं कहा गया कि मसूद अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में जानकारी के कारण दोनों जिम्मेदारियों को साथ में निभा सकेंगे। वहीं मसूद ने काफी विचार के बाद पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को बताया कि वह दोनों जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा सकेंगे। शान ने बताया कि साल 2026 और 2027 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए पाक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचाना चाहते हैं। मसूद ने नकवी से अनुरोध किया है कि उन्हें अपनी क्रिकेट जिम्मेदारियों पर ध्यान देने दिया जाए। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। पीसीबी ने मसूद के इंकार के बाद वर्तमान स्टाफ को ही मामलों को संभालने को कहा है। ऐसे में तय है है कि एशिया कप के दौरान डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट अफेयर्स के पद से निलंबित उस्मान वाहला को एक बार फिर बहाल किया जा सकता है।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने पर अन्य जगह संभावनएं तलाशेंगे मैट शॉर्ट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और ऑलराउंडर मैट शॉर्ट ने कहा है कि अगर उन्हें आईपीएल में अवसर मिलता है तो वह खेलने के लिए पूरी तरह सो तैयार हैं पर अगर उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वह अन्य लीग्स में खेलने पर ध्यान देंगे। पंजाब किंग्स के लिए 2023 में खेलते हुए शॉर्ट ने अपनी क्षमता साबित नहीं कर पाए इसी कारण अगली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना था। मैट शॉर्ट को 2023 में जॉनी बेयरस्टो की चोट के कारण रिप्लेसमेंट प्लेयर के रूप में पंजाब किंग्स में शामिल किया गया था। छह मैचों में खेलने के बावजूद उन्होंने कोई अर्धशतक नहीं बनाया और 19.50 की औसत के साथ कुल 117 रन ही जोड़ पाए। शॉर्ट ने माना कि लीग की प्रतिष्ठा के कारण तब वह दबाव ने उन्हें प्रभावित किया। शॉर्ट ने बताया, शायद मैं थोड़े जल्दी में आईपीएल में आया था। यह मेरा पहला विदेशी टूर्नामेंट था, सीधे आईपीएलमें खेलना बड़ा अनुभव था। वहीं कहा कि इस बार अवसर मिला तो वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। शॉर्ट ने अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम किया है। डेविड रीड की मदद से उन्होंने ध्यान केंद्रित करना का भी अभ्यास किया है। उनके पास बिग बैश और दुनिया भर की अन्य प्रतियोगिताओं का अनुभव है। इससे मुझे दबाव को संभालने और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का आत्मविश्वास मिला है। अब अगर चुना गया, तो मैं पूरी तरह तैयार रहूंगा। शॉर्ट ने कहा कि यदि उन्हें अवसर नहीं मिलता है तो वह आगे के अवसरों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक चीज़ नहीं होती, तो हम कुछ और खोज लेंगे। मैं ऑक्शन को देखूंगा और फिर परिणाम का इंतजार करूंगा।

आईपीएल और पीएसएल कार्यक्रम टकराया

मुम्बई। साल 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पाकिस्तान क्रिकेट लीग (पीएसएल) से तारीखें टकरा रही हैं। इसका कारण इै कि आईपीएल 26 मार्च से मई अंत तक खेला जाएगा। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी 11वां सत्र अगले साल 26 मार्च से तीन मई तक रखा है। य पहली बार नहीं है जब पीसीबी ने इस प्रकार की तारीखें घोषित की है। पहले भी पीएसएल की तारीखें आईपीएल से टकराती रही हैं। ये लगातार दूसरी बार है जब यह आईपीएल के साथ ही पीएसएल भी खेला जाएगा। इससे उन खिलाड़ियों को नुकसान होगा जो आईपीएल में अवसर न मिलने पर पीएसएल में खेलते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मार्च में पीएसएल के नये सत्र की घोषणा की है। आईपीएल भी इसी समय खेला जाएगा। नकवी ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान टीम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलाव किया जायेगा।

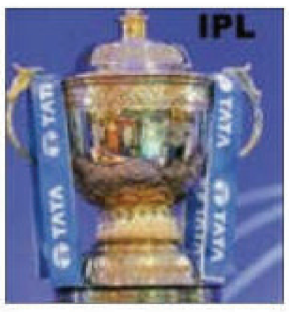

पाकिस्तान को मार्च अप्रैल में बांग्लादेश में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस साल भारत और श्रीलंका में फरवरी मार्च में टी20 विश्व कप भी होना है, जो कि मार्च के पहले सप्ताह तक चलने वाला है। ऐसे में पीसीबी को अपनी ही टीम के कार्यक्रम को अब पीएसएल 2026 की वजह से आगे करना है। मार्च और मई में पीएसएल का आयोजन होगा तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीरीज मई के अंत में शुरू होगी। हालांकि, बांग्लादेश का शेड्यूल कैसा है? ये भी सोचना होगा, क्योंकि तीनों फॉर्मेट की सीरीज को आगे खिसकना बहुत ज्यादा कठिन होगा। हो सकता है कि सीरीज को छोटा किया जाए, क्योंकि बांग्लादेश की टीम को न्यूजीलैंड भी जाना है। अब देखना ये है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज को कैसे समायोजित करता है। हालांकि, एक बाद है कि क्रिकेट प्रशंसकों को लगातार मैच देखने को मिलेंगे।

फ्रांस के डेम्बेले और स्पेन की बोनमाटी ने जीता फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार

दोहा (एजेंसी)। स्पेन की आइताना बोनमाटी और फ्रांस के उस्मान डेम्बेले को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। मंगलवार रात यहां आयोजित एक विशेष समारोह में इन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। 28 वर्षीय डेम्बेले पीएसजी की ऐतिहासिक पहली चैंपियंस लीग जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

फाइनल मुकाबले में पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से हराया। डेम्बेले ने पिछले सीजन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 35 गोल किये जिनमें से 21 गोल लीग-वन में थे और वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। वहीं, बार्सिलोना की मिडफील्डर को क्लब और देश के लिए एक और शानदार साल के बाद द बेस्ट फीफा महिला खिलाड़ी चुना गया और वह लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला फुटबॉलर बन गईं।

बोनमाटी ने चैंपियंस लीग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब भी जीता। इसके अलावा उन्होंने लगातार तीसरी बार विमेंस बैलन डी' ओर पुरस्कार भी हासिल किया। बोनमती की अगुवाई में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर ट्रेबल जीता, जबकि स्पेन के साथ उन्होंने चैंपियंस लीग फाइनल और यूरो 2025 फाइनल तक का सफर तय किया।

पुरस्कार के बाद बोनमाटी ने कहा, 'मैं अपना तीसरा फीफा द बेस्ट अवॉर्ड 'जीतने के लिए बहुत आभारी और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं उन सभी लोगों की बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरे लिए वोट किया, खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक। मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जो खिलाड़ी मेरी तरह फुटबॉल खेलते हैं या जिन कोचों के खिलाफ मैं खेलती हूं, उन्होंने मुझे फीफा द बेस्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना। यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कह सकती हूं।'

उस्मान डेम्बेले ने कहा, 'सबसे पहले, मैं अपने सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, यह साबित होता है कि कड़ी मेहनत रंग लाती है। यह मेरे लिए, व्यक्तिगत रूप से और एक टीम के रूप में, एक शानदार साल रहा है। मैं अपने परिवार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा मुझे हमेशा मेरे जन्मदिन पर आपसे एक छोटा सा मैसेज मिलता है, जिससे मुझे हमेशा खुशी होती है। मुझे उम्मीद है कि अगले साल मैं फिर से यहां आऊंगा।'

इंग्लैंड को लगातार दूसरा यूइइए विमेंस यूरो खिताब दिलाने के बाद सरीना विगमैन को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच चुना गया। लुइस एनरिक को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच चुना गया।

सीरीज सिंगल पापा को हां करने के लिए मेरे पास दो कारण थे

नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी सीरीज सिंगल पापा खूब चर्चा बटोर रहा है। शो से जुड़ी अभिनेत्री आयशा अहमद ने अपने अनुभव साझा किए हैं। सीरीज में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह शो उनके करियर का अहम प्रोजेक्ट है। व्यक्तिगत रूप से उनके लिए शूटिंग का अनुभव बेहद खास रहा। आयशा अहमद ने कहा, जब मुझे पहली बार डायरेक्टर शशांक की टीम ने मीटिंग के लिए बुलाया, तो इस दौरान बातचीत का अनुभव काफी अच्छा रहा। शशांक के साथ पहली मुलाकात इतनी दिलचस्प रही कि वह लंबे समय तक मेरे दिमाग में बनी रही। कुछ समय बाद जब मैं काम के सिलसिले में ट्रैवल कर रही थी, तभी मेरे पास सिंगल पापा सीरीज के लिए कॉल आया। मैंने बिना समय लगाए तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, मेरे शो को हां कहने के पीछे दो कारण थे- एक तरफ शो को शशांक जैसे डायरेक्टर बना रहे थे और दूसरी तरफ मेरे साथ कुणाल खेमू स्क्रीन साझा करने वाले थे। मैं उनकी काफी लंबे समय से फैन हूं। आयशा ने कहा, मेरे लिए कुणाल खेमू के साथ काम करना अपने आप में एक यादगार अनुभव है। वह सेट पर हल्का-फुल्का और मजेदार माहौल बनाकर रखते थे। वह सभी कलाकारों को सपोर्ट करते हैं और हर सीन में ऐसी ऊर्जा लेकर आते थे कि बाकी कलाकारों का काम और भी आसान हो जाता है। आयशा ने बताया कि उनके साथ शूटिंग इतनी सहज रही कि सब कुछ अपने आप सही समय पर होता चला गया। इस वजह से यह प्रोजेक्ट मेरे लिए और भी खास बन गया। सीरीज सिंगल पापा नेटफिलक्स पर स्ट्रीम हो रही है। शो में मनोज पाहवा, कुणाल खेमू, दयानंद शेट्टी, प्राजक्ता कोली, नेहा धूपिया और आयशा रजा मिश्रा जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। कहानी गौरव गहलोत नाम के एक ऐसे व्यक्ति की है, जो उम्र में बड़ा होने के बावजूद कई बार बच्चों जैसा व्यवहार करता है। तलाक के तुरंत बाद वह बच्चा गोद लेने का फैसला करता है। इस फैसले से पूरे परिवार में हड़कंप मच जाता है। सभी के मन में एक सवाल होता है- जो व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चीजें संभाल नहीं पाता, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा? इस फैसले के बाद परिवार में हंगामा, उलझनें और हंसी-ठहाकों से भरा सफर शुरू होता है।

जया बच्चन की आलोचना के बाद हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर पर दिया रिएक्शन

पैपराजी के साथ जया बच्चन का रिश्ता अच्छा नहीं रहता है। बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी कल्चर को लेकर काफी नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्होंने पैपराजी के कपड़ों और उनके रवैये को लेकर भी कड़ी आलोचना की थी। अब जया बच्चन की आलोचना के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हुमा ने पैप्स कल्चर की चुनौतियों और महत्व दोनों को ही स्वीकार किया है।

फिल्म के प्रमोशन के लिए हम खुद पैपराजी बुलाते हैं

बातचीत के दौरान हुमा कुरैशी ने माना कि बेशक पैपराजी को एक सीमा बनानी चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन उन्होंने ये भी स्वीकार किया कि कई सेलेब्स पैपराजी को खुद ही बुलाते हैं और अपने फायदे के लिए इनका इस्तेमाल भी करते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे लगता है कि वे भी महत्वपूर्ण हैं। मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन हम उनका इस्तेमाल तब करते हैं जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना होता है या अपने जीवन के किसी खास पहलू को लोगों के सामने लाना होता है। कई बार ऐसा हुआ है जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना था, इसलिए हमने उन्हें प्रीमियर में बुलाया। जब हम कहीं दिखना चाहते हैं, तो हम उन्हें बुलाते हैं। मैं सारा दोष उन पर नहीं डालना चाहती।

फोटोग्राफर के साथ मजबूत हुआ मेरा रिश्ता

पैप्स के साथ अपने रिश्ते पर हुमा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फोटोग्राफरों के साथ मेरा रिश्ता और भी मजबूत हो गया है। जब भी मेरी तबीयत ठीक नहीं होती या मैं फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं, तो मैं बस उनसे प्यार से कहती हूं कि मेरी तस्वीरें न लें, और वे आमतौर पर मेरी इच्छा का सम्मान करते हैं।

महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है

इस दौरान हुमा ने उन मुद्दों पर भी बात की जिनका सामना इंडस्ट्री में महिलाएं आमतौर पर करती हैं। जैसे कि गलत सवाल करना या फिर गलत एंगल से तस्वीरें लेना। हालांकि, एक्ट्रेस ने माना कि कुछ हद तक प्राइवेसी का उल्लंघन इस व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन सम्मान और सीमाएं बनाए रखना आवश्यक है। अगर आप मेरी प्राइवेसी में दखल देना चाहते हैं, तो आप ऐसे प्रश्न पूछेंगे जो मुझे उचित नहीं लगेंगे। एक सीमा होती है जिसे लोगों को पार नहीं करना चाहिए, लेकिन हम उसे पार कर जाते हैं। एक महिला और अभिनेत्री के रूप में मैंने यह सब अनुभव किया है।

जया बच्चन ने की थी पैपराजी के पहनावे और रवैया की आलोचना

हुमा की ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। एक इंटरव्यू में जया ने पैपराजी के पहनावे, उनके काम करने का तरीके और उनकी ट्रेनिंग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि जो लोग सस्ते तंग पैंट पहनते हैं और हाथ में मोबाइल रखते हैं, क्या उन्हें लगता है कि सिर्फ फोन होने से वे आपकी तस्वीर खींच सकते हैं और जो चाहें कह सकते हैं। उनकी शिक्षा, उनका बैकग्राउंड कैसा है? वो आखिर हैं कौन?

नौ साल बाद लौटीं शिल्पा शिंदे

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे वर्षों बाद सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' में वापस लौट आई हैं। एक्ट्रेस का प्रोमो भी रिलीज हो चुका है। वीडियो को देखने के बाद शो में आने वाले ट्विस्ट का एक हिंट जरूर मिल रहा है। 'बिग बॉस 11' की विजेता और टीवी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने यूं तो कई टीवी शोज में काम किया है लेकिन 'भाबी जी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी के तौर पर वो छा गईं। साल 2015 में शो की शुरुआत हुई थी लेकिन फिर एक साल बाद 2016 में विवादों के चलते उन्होंने शो को अलविदा कह दिया। अब करीब नौ वर्षों के बाद शिल्पा एक बार फिर शो में वापसी कर रही हैं। उनका कमबैक शो के नए सीजन 2.0 में होने जा रहा है। इससे जुड़ा प्रोमो भी मेकर्स की ओर से जारी कर दिया गया है। एंड टीवी का सुपरहिट कॉमेडी शो 'भाबी जी घर पर हैं' इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है और इसकी सबसे बड़ी वजह है शिल्पा शिंदे की धमाकेदार वापसी। शो के नए सीजन में एक बार फिर शिल्पा नजर आने वाली हैं। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल नए और रहस्यमयी अवतार में आई हैं, जिसने फैंस को चौंका दिया है। हाल ही में जारी किए गए प्रोमो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।

प्रोमो में अंगूरी भाभी, तिवारी, विभूति और अनीता भाभी एक अनजान गांव 'घूंघटगंज' की ओर जाते दिखाई देते हैं। गांव में कदम रखते ही चारों की नजर एक रहस्यमयी स्त्री की मूर्ति पर पड़ती है। तभी अचानक कुछ ऐसा होता है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। मूर्ति की साड़ी अंगूरी भाभी पर गिरती है और माहौल में सिहरन फैल जाती है। यहीं से कहानी ले लेती है खौफनाक मोड़।

'स्त्री' स्टाइल में लेंगी शो में एंट्री

इसके बाद अंगूरी भाभी के बर्ताव में अजीब बदलाव नजर आने लगता है। सबको लगता है कि उन पर किसी आत्मा का साया हो गया है। जब विभूति उन्हें प्यार से आवाज देता है, तो अंगूरी भाभी का जवाब सबको हैरान कर देता है। उनका अंदाज, उनकी चाल और संवाद, सब कुछ डरावना लेकिन बेहद दिलचस्प लगता है। साफ है कि शिल्पा शिंदे ने इस बार 'स्त्री' स्टाइल में शो में एंट्री लेकर कहानी में जान डाल दी है।

नौ वर्षों बाद शो में हुई वापसी

लंबे समय बाद शिल्पा शिंदे को एक बार फिर अंगूरी भाभी के रूप में देखकर फैंस भावुक भी हैं और उत्साहित भी। सोशल मीडिया पर लोग प्रोमो को बार-बार देख रहे हैं और कई लोगों ने अब तक कमेंट किया है।

नवाजुद्दीन स्टारर फिल्म फरार में दिखेगा मनी हाइस्ट जैसा फ्लेवर

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में थामा में नजर आए थे। इस भूमिका के लिए उन्हें खूब सराहना मिली। अब वह अपनी नई फिल्म फरार को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार पार्थ भालेराव और त्रिशा थोसर के साथ दिखाई देंगे। फिल्म के निर्देशक और लेखक कुशाग्र शर्मा हैं। फरार को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। सिनेमैटोग्राफी, बैकग्राउंड म्यूजिक और विजुअल ट्रीटमेंट इंटरनेशनल फिल्मों की तरह भव्य रखा गया है। हॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके इलिया वोलोक इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, सुपरहिट स्पैनिश सीरीज मनी हाइस्ट के संगीतकार इवान लाकामारा पहली बार किसी हिंदी फिल्म के लिए बैकग्राउंड स्कोर तैयार कर रहे हैं। त्रिशा थोसर फिल्म में नवाज की बेटी बनी हैं। फरार में एक्शन को इंटरनेशनल लेवल पर डिजाइन करने के लिए केचा खम्पकदी भी जुड़े हैं। नवाज एक भौतिक विज्ञान के शिक्षक बने हैं, जबकि निमिषा सजयन उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं।

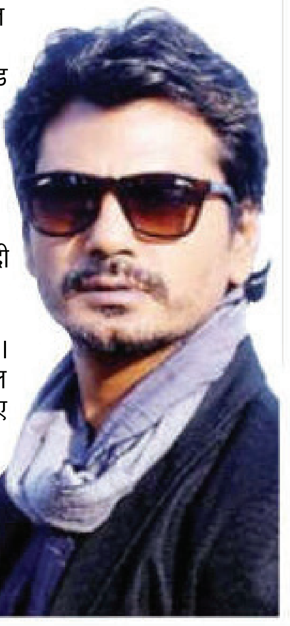

अभय वर्मा की फिल्म छूमंतर से बाहर हुईं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे इन दिनों अपने फिल्मी लाइनअप को लेकर लगातार चर्चा में हैं। एक तरफ वह अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन में जुटी हैं, जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दूसरी ओर, वह अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब सीरीज कॉल मी बे के दूसरे सीजन की तैयारी में भी व्यस्त हैं। इस बीच एक खबर है कि अनन्या आगामी फिल्म छूमंतर से बाहर हो गई हैं। फिल्म की टीम जनवरी 2026 से शूटिंग शुरू करने की योजना बना रही थी। सूत्र के मुताबिक... छूमंतर की शूटिंग का शेड्यूल कॉल मी बे 2 से टकरा रहा था, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। इसी वजह से अनन्या और फिल्म के निर्माताओं ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। दोनों ने आगे किसी प्रोजेक्ट में साथ काम करने का वादा भी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या के बाहर होने के बाद अब कास्ट में दो नाम जानकी बोडीवाला (वश फेम) और श्रीलीला प्रमुखता से चर्चा में हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अनन्या के बाद जानकी बोडीवाला और श्रीलीला का नाम चर्चा में है।

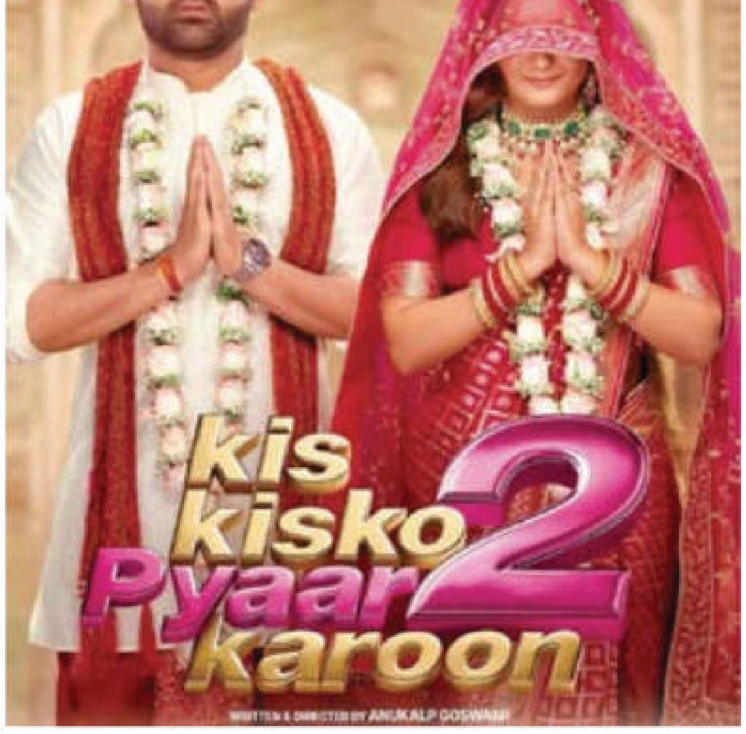

कपिल शर्मा को फिल्म के लिए मिले करोड़ों

कॉमेडी के बादशाह कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर चुके हैं अपनी नई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के साथ। 2015 में रिलीज पहली फिल्म की धमाकेदार सफलता के बाद अब सीक्वल की रिलीज को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। लेकिन इस बार चर्चा केवल फिल्म की कहानी या इसके मनोरंजन की नहीं, बल्कि इसकी स्टारकास्ट की भारी-भरकम फीस की हो रही है। मेकर्स ने फिल्म को भव्य पैमाने पर बनाया है और इसके लिए सितारों को भी मोटी रकम दी गई है।

कपिल शर्मा

सीक्वल में भी कपिल शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनकी वापसी को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें बेहद बड़ी रकम ऑफर की। मनोरंजन जगत में अपनी लोकप्रियता और टीवी शो की सफलता के कारण कपिल की मार्केट वैल्यू पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। फिल्म के लिए उन्हें 2 से 3 करोड़ रुपये दिए गए, जो फिल्म के कुल बजट का बड़ा हिस्सा माना जा रहा है। यही वजह है कि उनकी फीस को लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चाएं हो रही हैं।

त्रिधा चौधरी

वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी पहचान बना चुकीं त्रिधा चौधरी पहली बार कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। फिल्म में उनकी भूमिका को खास बताया जा रहा है और उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें 40 से 60 लाख रुपये देने का फैसला किया है। यह फीस उनके करियर के हिसाब से अच्छी मानी जा रही है।

पारुल गुलाटी

सोशल मीडिया की चर्चित अभिनेत्री और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसी वेब सीरीज में अपनी छाप छोड़ चुकीं पारुल गुलाटी को भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार मिला है। उन्हें भी त्रिधा के बराबर ही 40 से 60 लाख रुपये की रकम दी गई है। पारुल की बढ़ती ब्रांड वैल्यू ने उनके पैकेज को मजबूत किया है।

आयशा खान

टेलीविजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं आयशा खान भी फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि इस फिल्म के लिए उन्हें 15 से 30 लाख रुपये की राशि दी गई है, जो बाकी लीड एक्ट्रेसेज़ की तुलना में काफी कम है। लेकिन फिल्म में उनकी भूमिका छोटी नहीं बताई जा रही है, जिससे उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट उनके करियर में नई दिशा दे सकता है।

मनजोत सिंह

'फुकरे' फेम मनजोत सिंह भी इस बार एक अलग जोन में नजर आएंगे। उनके किरदार को मजबूत बताया जा रहा है और इसके लिए उन्हें 50 से 70 लाख रुपये की सैलरी दी गई है। मनजोत की कॉमिक टाइमिंग पहले ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और इस फिल्म से उनकी मौजूदगी और मजबूत हो सकती है।

वरीना हुसैन

वरीना हुसैन लंबे समय बाद किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ रही हैं। मेकर्स ने उन्हें फिल्म के लिए 20 से 35 लाख रुपये ऑफर किए हैं। वरीना की स्क्रीन प्रेजेंस और उनकी पिछली फिल्मों की सफलता ने उन्हें इस फिल्म में खास जगह दिलाई है।

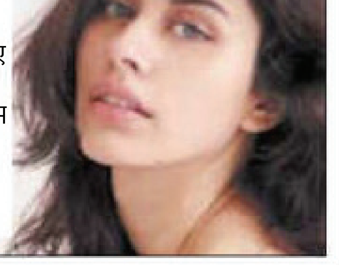

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका का पूर्व टेस्ट क्रिकेटर गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग ने गिरफ्तार किया और बाद में सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने बताया कि 63 साल के दम्मिका को 2017 में सरकारी कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत टेंडर प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था, जब वह इसके चेयरमैन थे। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया। जांच में हृदय की बाईं धमनी में ब्लॉकेज मिलने पर स्टेंट डाला गया।

बलोच नेता की अपील–पाकिस्तानी कब्जे को बेनकाब करतीं फिल्में बनाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। बलोच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने भारतीय फिल्म उद्योग से ऐसी फिल्में बनाने की अपील की है, जो बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के जबरन और अलोकतांत्रिक कब्जे को दिखाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि, बलूचिस्तान ने मार्च 1948 में पाकिस्तान के कब्जा करने से पहले ही स्वतंत्रता हासिल की थी। चंद ने आरोप लगाया कि इस कब्जे के बाद से ही पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान के अरबों डॉलर के प्राकृतिक संसाधनों को योजनाबद्ध तरीके से लूटा है।

मोरक्को के साफी में आई बाढ़ से 37 मौतें

साफी, एजेंसी। मोरक्को के साफी शहर में भारी बारिश से आई बाढ़ में 37 लोगों की मौत हो गई है। गृह मंत्रालय ने कहा, रात भर अचानक हुई भारी बारिश से आई बाढ़ से कई घर–व्यवसाय जलमग्न हो गए और 10 वाहन बह गए। स्कूलों को तीन दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। बारिश के कारण अन्य हिस्सों में भी बाढ़ आई है, जिनमें तटीय शहर टेटुआन और पहाड़ी शहर टिंगहिर शामिल हैं।

हांगकांग : लोकतंत्र समर्थक जिम्मी लाई दोषी करार

विक्टोरिया, एजेंसी। स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग की प्रसिद्ध मीडिया हस्ती रहे और चीन के मुखर आलोचक जिम्मी लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक ऐतिहासिक मामले में सोमवार को शहर की अदालत ने दोषी ठहराया। सरकार द्वारा नियुक्त तीन जजों ने 78 वर्षीय लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने और राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया। हालांकि लाई ने खुद को निर्दोष बताया है। हांगकांग के कानून के तहत लाई को उम्रकैद की सजा हो सकती है।

हत्या मामला : मुकदमे का सामना कराने के लिए पेरू से अमेरिका लाया गया व्यक्ति

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। दक्षिण कैलिफोर्निया के जंगल में अपनी पत्नी की हत्या करने और उसका शव फेंकने के आरोप में मुकदमे का सामना करने के लिए एक व्यक्ति को पेरू से अमेरिका लाया गया। लॉस एंजिलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने कहा, जोसिमार कैब्रेरा (36 वर्षीय) शुक्रवार रात लॉस एंजेलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। उसे अगस्त के अंत से पेरू में हिरासत में रखा गया था। जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उनके खिलाफ हत्या का मामला दायर किया है। रविवार तक यह पता नहीं था कि उसके पास वकील है या नहीं।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया।

ऑस्ट्रेलिया हमले पर बड़ा खुलासा- इस्लामिक स्टेट से ली प्रेरणा, फिलीपींस गए थे बाप-बेटा

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर रविवार शाम को हुए सामूहिक गोलीबारी हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यह हमला यहूदी समुदाय के हानुका उत्सव 'चानुका बाय द सी' के दौरान हुआ, जिसमें करीब एक हजार लोग शामिल थे। पुलिस ने इसे आतंकी घटना घोषित कर दिया है और प्रारंभिक जांच से संकेत मिल रहे हैं कि हमलावर इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित थे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मंगलवार को कहा कि हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित लगता है। उन्होंने इसे नफरत की विचारधारा करार दिया, जो पिछले एक दशक से कुछ लोगों को उग्रवादी बनाने का काम कर रही है। पुलिस ने पुष्टि की है कि हमलावरों की कार में दो घरेलू स्तर पर बने इस्लामिक स्टेट के झंडे और इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) मिले हैं।

हमलावरों की पहचान : हमलावर पिता-पुत्र थे। 50 वर्षीय साजिद अकरम और उसके 24 वर्षीय बेटे नवीद अकरम ने इस हमले को अंजाम दिया। साजिद अकरम की पुलिस की गोलीबारी में मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नवीद गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में पुलिस हिरासत में है। साजिद के पास छह हथियारों का वैध लाइसेंस था, जिनका इस्तेमाल हमले में किया गया लगता है।

पुलिस कमिश्नर माल लैन्यन ने बताया कि दोनों हमलावर पिछले महीने फिलीपींस की यात्रा पर गए थे और इस यात्रा के उद्देश्य की जांच चल रही है। कुछ रिपोर्ट्स में संकेत है कि वे वहां मिलिट्री ट्रेनिंग लेने गए थे। नवीद अकरम की 2019 में ऑस्ट्रेलियाई खुफिया एजेंसी एएसआईओ ने जांच की थी, क्योंकि उसके आईएस से जुड़े एक सेल से संबंध थे, लेकिन तब उसे तत्काल खतरा नहीं माना गया।

हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित थाः एंथनी अल्बनीज

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था। समाचार एजेंसी एएफपी और बीबीसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अल्बनीज ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि यह हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित था। यह बात उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) के सिडनी चैनल को दिए गए एक रेडियो इंटरव्यू में कही, जिसके अंश उनके कार्यालय ने समाचार एजेंसियों के साथ साझा किए।

उन्होंने इस हमले को 'सुनियोजित, योजनाबद्ध और बेहद बर्बर' बताया। अल्बनीज ने कहा कि अब तक की जांच से संकेत मिलता है कि दो हमलावरों (जो पिता और बेटे की जोड़ी थे) ने अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, अल्बनीज ने कहा कि यह वह विचारधारा है जो एक दशक से ज्यादा समय से मौजूद है, जिसने नफरत की सोच को जन्म दिया और इसने बड़े पैमाने पर हत्या करने की मानसिकता पैदा की। उन्होंने यह भी कहा कि हमलावर नवीद अकरम पहले भी दूसरों के साथ उसके संबंधों की वजह से अधिकारियों की नजर में आया था। नवीद का पिता साजिद अकरम पुलिस की गोलीबारी में मारा गया था।

रिपोर्ट में प्रधानमंत्री अल्बनीज के हवाले से कहा गया, जिन दो लोगों से वह (नवीद) जुड़ा हुआ था, उन पर आरोप लगे और वे जेल भी गए। लेकिन उस समय उसे ऐसा व्यक्ति नहीं समझा गया था कि जिस पर विशेष नजर रखने की जरूरत हो। अल्बनीज की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब लगातार इस तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि साजिद और नवीद अकरम इस्लामिक स्टेट से प्रभावित थे।

कानून प्रवर्तन के वरिष्ठ अधिकारियों ने एबीसी को बताया था कि इसकी संभावना है, क्योंकि हमलावरों की कार से कथित तौर पर आईएस एक का झंडा बरामद हुआ था। न्यू साउथ वेल्स के पुलिस आयुक्त माल लान्योन के अनुसार, इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई, इसके अलावा एक हमलावर भी मारा गया। मृतकों में एक 10 साल की बच्ची भी शामिल थी। बॉन्डी बीच गोलीबारी के पीछे शामिल दोनों हमलावरों की पहचान सोमवार सुबह (स्थानीय समय) की गई। पुलिस आयुक्त लान्योन ने बताया कि 50 वर्षीय और 24 वर्षीय दो पुरुष ही इस हमले में शामिल एकमात्र शूटर थे। नवीद अकरम को घटनास्थल से गिरफ्तार कर अस्पताल ले जाया गया। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने यह भी बताया कि उसके पिता साजिद अकरम को हमले के दौरान पुलिस ने गोली मारी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मेक्सिको में प्लेन फैक्ट्री से टकराई, 7 की मौत, 3 लापता; इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश में हादसा

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में सोमवार को एक छोटा विमान इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया। इसमें सात लोगों की मौत हो गई जबकि 3 लापता हैं। यह प्राइवेट जेट एकापुल्को से टोलुका एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रहा था, लेकिन इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश में सैन मेटियो एटेंको इलाके में क्रैश हो गया। विमान ने एक फुटबॉल फील्ड पर लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन पास की एक फैक्ट्री की मेटल छत से टकरा गया, जिससे आग लग गई। आग की वजह से इलाके के करीब 130 लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। दुर्घटना की जांच चल रही है, और शुरुआती रिपोर्ट्स में इंजन फेलियर की बात कही जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्राइवेट जेट में 8 पैसेंजर्स और 2 क्रू मेंबर थे। फिलहाल 7 लोगों के शव मिले हैं। बाकी लोगों की तलाश जारी है।

छत से टकराया विमान : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान एक फुटबॉल मैदान पर उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह पास में स्थित एक व्यावसायिक इमारत की लोहे की छत से टकरा गया। टक्कर के बाद विमान में आग लग गई, जिसने आसपास के क्षेत्र को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर दमकल और बचाव दल पहुंचे और आग पर काबू पाया। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

इलाके से 130 लोगों को निकाला गया बाहर : सैन मातेओ अतेन्को की मेयर आना मुनिज ने बताया कि आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के करीब 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। प्रशासन ने एहतियातन पूरे इलाके को घेर लिया। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की असली वजह साफ हो पाएगी।

बीएनपी लीडर बोले- बुद्धिजीवियों की सामूहिक हत्या पाकिस्तानी सेना ने नहीं की थी

ढाका, एजेंसी। चुनाव करीब आते ही बांग्लादेश में भारत विरोधी बयानबाजी में उछाल आ गया है। बीएनपी के एक नेता ने दावा किया है कि 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में बंगाली बुद्धिजीवियों की सामूहिक हत्या पाकिस्तानी सेना ने नहीं, बल्कि 'एक पड़ोसी देश' की सेना ने की थी। यह अप्रत्यक्ष इशारा भारत की ओर था।

बांग्लादेश की राष्ट्रवादी पार्टी के नेता एडवोकेट अबू अल यूसुफ खान टिपू, जो पार्टी की नारायणगंज शहर इकाई के सदस्य सचिव हैं, ने रविवार को शहीद बुद्धिजीवी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक चर्चा में ये टिप्पणियां कीं। इन टिप्पणियों की काफी आलोचना हुई है और बीएनपी ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। ये टिप्पणियां बंगलादेश के विजय दिवस, 16 दिसंबर से एक दिन पहले आई हैं, जो पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण का प्रतीक है और भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

टीपू ने जमात को पश्चिमी पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों में ऐतिहासिक रूप से मिलीभगत के आरोप से बरी करते हुए कहा कि हत्याओं के लिए किसी एक विशेष राजनीतिक समूह को दोषी ठहराना 'इतिहास का विकृतिकरण' है और उन्होंने जमात से अंतरिम सरकार से 'इतिहास को सही करने' की मांग करने का आग्रह किया।

उनकी ये टिप्पणियां जमात नेता गुलाम पोरवार द्वारा कार्यक्रम के दौरान किए गए इसी तरह के दावों के बाद आईं, जिन्होंने दावा किया कि बुद्धिजीवियों की हत्या के पीछे भारत का हाथ था, जो 'भारतीय सेना और उसकी खुफिया एजेंसी द्वारा रची गई एक सुनियोजित साजिश' का हिस्सा था और यहां तक कि उन्होंने झूठा दावा भी किया कि भारतीय सेना ने 8 दिसंबर तक ढाका पर कब्जा कर लिया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने बीबीसी पर ठोक दिया मानहानि का मुकदमा, मांगा 10 अरब डॉलर का हर्जाना

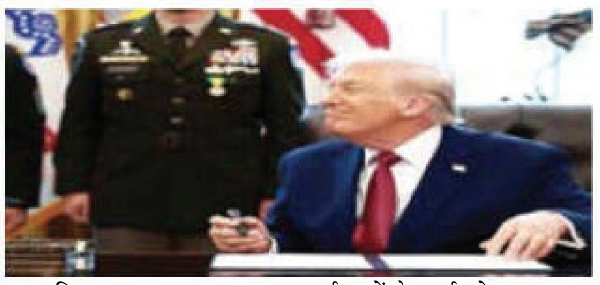

वाशिंगटन, एजेंसी। एक भाषण को एडिट करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया हाउस बीबीसी पर मुकदमा ठोक दिया है। उन्होंने बीबीसी से 10 अरब डॉलर के हर्जाने की मांग भी की है। उन्होंने ब्रिटिश प्रसारक पर मानहानि के साथ-साथ भ्रामक और अनुचित तरीके से व्यापार करने का आरोप लगाया। दरअसल 6 जनवरी 2021 को डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित किया था। इसके बाद उनके समर्थक कैपिटल हिल पर पहुंच गए और हिंसक हो गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बीबीसी ने ट्रंप के भाषण के वीडियो में 'फाइट लाइक हेल' दिखाया लेकिन उनके दूसरे पार्ट को काट दिया जिसमें वह शांतिपूर्ण प्रदर्श की बात कर रहे थे। बीबीसी पर 33 पन्नों के इस मुकदमे में ट्रंप का ''झूठा, मानहानिकारक, भ्रामक, अपमानजनक, भड़काऊ और दुर्भावनापूर्ण चित्रण'' करने का आरोप लगाया गया है और इसे 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ''हस्तक्षेप करने तथा उसे प्रभावित करने की निर्लज्ज कोशिश'' बताया गया है। इसमें बीसीसी पर ''राष्ट्रपति ट्रंप के छह जनवरी, 2021 के भाषण के दो पूरी तरह से अलग-अलग अंशों को एक साथ जोड़ने'' का आरोप लगाया गया ताकि ''ट्रंप द्वारा कही गई बातों के अर्थ को जानबूझकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा सके।'' बता दें कि बीबीसी की फंडिंग उसके दर्शकों से होती है। डोनाल्ड ट्रंप की लीगल टीम का कहना है कि बीबीसी लेफ्ट अजेंडा चलाता है और इसलिए डोनाल्ड ट्रंप को बदनाम करने की कोशिश में लगा रहता है। बीबीसी की तरफ इस मुकदमे को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले डॉक्युमेंट्री प्रकाशित करने को लेकर बीबीसी पहले से ही संकट का सामना कर रहा है। कई सीनियर अधिकारी इस्तीा दे चुके हैं। इससे बीबीसी की छवि भी खराब हुई है और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। इस डॉक्युमेंट्री को अमेरिका में नहीं प्रसारित किया गया था। अब अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी वाले कानून से अपने मुद्दे को अलग करने के लिए ट्रंप को साबित करना होगा कि बीबीसी ने जो कुछ भी एडिट किया वह अपमानजनक था और दर्शकों में भ्रम फैलाने के लिए ही ऐसा किया गया था। बीबीसी कोर्ट में दावा कर सकता है कि उसने जो कुछ दिखाया वह सच था और जो कुछ भी एडिट किया गया है उससे जनता में कोई गलत संदेश नहीं गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ भी केस किया था। हालांकि दोनों ने किसी भी गलती से इनकार किया है।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले बढ़ी चौकसी, गुप्त हमलों की आशंका से सतर्क हुआ चुनाव आयोग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी महीने में होने वाले आम चुनाव से पहले हालात तनावपूर्ण होते दिख रहे हैं। इसी बीच चुनाव आयोग (ईसी) ने पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के आदेश दिए हैं। आयोग को आशंका है कि चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के लिए गुप्त और सुनियोजित हमले किए जा सकते हैं।

यह कदम उस घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें छात्र आंदोलन से जुड़े नेता और कट्टर दक्षिणपंथी सांस्कृतिक संगठन 'इंकिलाब मंच' के प्रमुख शरीफ उस्मान हादी को राजधानी ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मार दी गई। यह हमला चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के ठीक एक दिन बाद हुआ। मतदान 12 फरवरी को होना है। हादी की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

सरकार ने शुरू किया 'ऑपरेशन डेविल हंट-2 : अंतरिम सरकार ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयर एम्बुलेंस से सिंगापुर भेजा है। सरकार ने आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद करने वालों के लिए 50 लाख टका इनाम की घोषणा की है। रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मुख्य आरोपी की पत्नी, साले और एक महिला मित्र को गिरफ्तार किया है। इस बीच सरकार ने 'ऑपरेशन डेविल हंट-2' के तहत देशभर में सुरक्षा अभियान शुरू किया है। चुनाव उम्मीदवारों और अहम राजनीतिक हस्तियों को अस्थायी हथियार लाइसेंस देने और सशस्त्र सुरक्षा कर्मी रखने की अनुमति भी दी गई है। हसीना सरकार के पतन के बाद पहला चुनाव हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने कानून-व्यवस्था के पूरी तरह बिगड़ने से इनकार करते हुए इन घटनाओं को छिटपुट बताया है। गौरतलब है कि यह चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अगस्त में हटने के बाद पहला आम चुनाव होगा। बदले राजनीतिक माहौल में बीएनपी को मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

'रूस-यूक्रेन शांति समझौता के बहुत करीब', बर्लिन में बातचीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस और यूक्रेन संघर्ष इतने प्रयासों के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों देशों के बीच हालात अभी भी तनावपूर्ण है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इस संघर्ष के जल्द खत्म होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन शांति समझौते को लेकर पहले से कहीं ज्यादा करबी आ चुके हैं। यह दावा उन्होंने अमेरिकी समयानुसार सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बर्लिन में यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ लंबी बातचीत के बाद हालात बेहतर होते दिख रहे हैं।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब बर्लिन में अमेरिका, यूरोपीय देशों, नाटो के नेताओं और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच कई घंटे तक बातचीत हुई। इन बैठकों में युद्ध को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यूरोपीय देश यूक्रेन को पश्चिमी सुरक्षा गारंटी देने के लिए तैयार हैं। लेकिन किस इलाके पर किसका नियंत्रण रहेगा, यह मुद्दा अब भी सबसे बड़ी रुकावट बना हुआ है।

अमेरिका को मिल रहा यूरोप के कई देशों का साथ–ट्रंप : ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को यूरोप के कई देशों का पूरा समर्थन मिल रहा है, जो इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे जरूर पूरा करेंगे। मुझे लगता है कि अब यह संघर्ष खत्म होने के पहले से ज्यादा करीब हैं। ट्रंप ने देशों के नाम का जिक्र करते हुए कहा कि जर्मनी, इटली, फ्रांस, ब्रिटेन, पोलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड और नीदरलैंड जैसे देश अमेरिका के साथ मिलकर युद्ध खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

इतना ही नहीं ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत होने की बात का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ कई बातचीत हुई हैं और सब मानते हैं कि हम समाधान के बहुत नजदीक हैं। हम बहुत सारी जिंदगियां बचाना चाहते हैं।

जयशंकर ने यूएई के शीर्ष नेतृत्व के साथ की बैठक, आर्थिक और रक्षा सहयोग पर हुई सार्थक चर्चा

अबू धाबी , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम पहल की है। इन बैठकों में आर्थिक सहयोग, रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और यूएई के रिश्ते तेजी से बहुआयामी रूप ले रहे हैं और क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर दोनों देशों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर तीन दिन तक चले सिर बनी यास फोरम 2025 में हिस्सा लेने के बाद सोमवार को अबू धाबी पहुंचे। यहां उन्होंने यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ 16वीं संयुक्त आयोग बैठक और पांचवें रणनीतिक संवाद की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के मौजूदा ढांचे की समीक्षा की गई और भविष्य की प्राथमिकताओं पर सहमति बनी।

आर्थिक और रक्षा सहयोग पर जोर : जयशंकर ने यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में आर्थिक सहयोग को गहरा करने और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने इसे बेहद उपयोगी बातचीत बताया और कहा कि दोनों देश आपसी विश्वास के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना गया।

निवेश और भू-आर्थिक हालात पर बातचीत : विदेश मंत्री जयशंकर ने मुबादला इन्वेस्टमेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालदून खलीफा अल मुबारक से भी मुलाकात की। मुबादला अबू धाबी सरकार की प्रमुख संप्रभु निवेश कंपनी है। इस बातचीत में वैश्विक भू-आर्थिक स्थिति पर विचार साझा किए गए और भारत-यूएई आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया गया। जयशंकर ने भारत में उभरते निवेश अवसरों की जानकारी भी दी।

रणनीतिक संवाद को मिली नई दिशा : भारत और यूएई के बीच हुए रणनीतिक संवाद में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने माना कि मौजूदा वैश्विक हालात में एक-दूसरे के साथ तालमेल और मजबूत करना जरूरी है। यह संवाद भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और ठोस बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

अगला पड़ाव इस्राइल यात्रा : यूएई दौरे के बाद विदेश मंत्री जयशंकर मंगलवार को इस्राइल की यात्रा पर जाएंगे। वहां वे अपने समकक्ष गिडिओन सआर के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके अलावा जयशंकर की इस्राइल के राष्ट्रपति आइजक हर्ज़ोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात तय है। इस्राइल दौरे में क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। जयशंकर का यह दौरा भारत की सक्रिय और संतुलित विदेश नीति को दर्शाता है। यूएई जैसे अहम साझेदार के साथ रिश्तों को और मजबूत करना भारत की प्राथमिकता है। आर्थिक निवेश से लेकर रक्षा सहयोग और रणनीतिक संवाद तक, यह यात्रा भारत की वैश्विक भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com